कोयल

सरल हिन्दी पाठमाला 6

शिक्षक–दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 6 (पाठमाला 6 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
मुख्य कार्यालय
3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत
ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

शाखाएँ
बंगलुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023
प्रथम संस्करण, 2023
OBBN 978-0-30106-644-8

टाइपसेटर
सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

मुद्रक

प्रकाशक
ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-752 हिमायतनगर,
हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)
ई-मेल : info@orientblackswan.com

पाठ-सूची

शिक्षक बंधुओं से ... *v*

1. **हम होंगे कामयाब** (कविता) *गिरिजा कुमार माथुर* 1
2. **पायल और कोको** (कहानी) 5
3. **यूरेका! यूरेका!** (कहानी) 10
4. **पुस्तक मेला** (संवादात्मक पाठ) 15
5. **देश का नव-निर्माण करें हम!** (कविता) 20
6. **परीक्षा** (कहानी) *प्रेमचंद* 25
7. **राजकुमारों की सूझबूझ** (कहानी) 31
8. **फ़सलों का त्योहार – पोंगल** (वर्णनात्मक पाठ) 37
9. **कबीर के दोहे** (पद) 42
10. **पहली उड़ान** (गद्य पाठ) 47
11. **मेरी शिमला यात्रा** (यात्रा वृत्तांत) 52
12. **बीरबल की खिचड़ी** (कहानी) 57
13. **मेरी चाह** (कविता) 63

शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:-

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

फ़्लैश कार्ड : इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

QR कोड : इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

पाठों का ऑडियो : इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

पाठों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

शब्दार्थों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

ऑडियो पर आधारित प्रश्न : इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

'कोयल' हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

'कोयल' हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8)

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- 'मौखिक मूल्यांकन' शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार 'लिखित मूल्यांकन' भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- 'सोचिए और बताइए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- 'रचनात्मक कार्य' के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

पाठ 1 : हम होंगे कामयाब

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• मिल-जुलकर काम करना • एकता का महत्त्व • आशावादी रहना • निडरता एवं विश्व शांति की भावना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, भाव स्पष्ट करना, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, वाक्य रचना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, वर्णन, आशय, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	कविता-गायन, कविता को पाठ के रूप में लिखना, इंटरनेट से ढूँढ़कर गीत सुनना
जीवन कौशल Life Skills	मिल-जुलकर कार्य करने की प्रेरणा
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

यह कविता लोकप्रिय अंग्रेज़ी गीत 'We shall overcome' का हिंदी रूपांतरण है। यह गीत आशा से भरा हुआ है। इसमें शांति, सौहार्द और निर्भयता की बात कही गई है। कवि कह रहे हैं कि हमें धैर्य और आत्मविश्वास के साथ अपने कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ते जाना चाहिए। हमें पूरा विश्वास है कि ऐसा करने पर सफलता अवश्य मिलेगी। हम अपने अच्छे कार्यों के

द्वारा चारों ओर शांति का मार्ग प्रशस्त करेंगे, इस बात का भी हमें पूरा विश्वास है। हम मिल-जुलकर मेहनत करके देश को आगे ले जाएँगे। हमें इस बात का भी पूरा विश्वास है। आज हम स्वतंत्र हैं और हर रूप में अपनी रक्षा करने में सक्षम हैं, अत: हमें अब किसी का डर या भय नहीं है। अब हम बिना रुके, बिना डरे उन्नति करते जाएँगे और हर क्षेत्र में सफल होंगे, इस बात का हमें पूरा विश्वास है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कविता में विश्वास और सफलता की बात कही गई है। विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ मेहनत करने का महत्त्व समझाएँ। उन्हें बताएँ कि कामयाब शब्द का अर्थ सफल होना है।
2. साथ ही कविता में शांति की बात भी आई है। विद्यार्थियों को बताएँ कि चारों ओर शांति तभी हो सकती है जब सभी अच्छे-अच्छे कार्य करेंगे। पूछें, वे कौन-कौन से अच्छे कार्य करना चाहेंगे? उन कार्यों से किस प्रकार चारों ओर शांति स्थापित हो सकेगी? इस तरह के अन्य प्रश्न भी करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता-पाठ करें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि हमारा देश भारत 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात 'पूरा संसार एक परिवार है', इस बात में विश्वास रखता है। जब हम शांति और सफलता की बात करते हैं तब यह पूरे संसार के लिए है। इस संसार में सभी सुख और शांति के साथ रहें, यही हमारी कामना है।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. पुस्तक में **कविता से संबंधित जो चित्र** दिया गया है, आप उससे संबंधित प्रश्न भी विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं। जैसे - इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है? यह चित्र कविता के बारे में क्या बता रहा है?
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **'हम चलेंगे साथ-साथ' – का अर्थ है –**
     - ☐ **मिल-जुलकर मेहनत करेंगे।**
     - ☐ **एक साथ घर जाएँगे।**
     - ☐ **एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।**

10. श्यामपट्ट पर समानार्थी शब्द लिख कर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण करवाएँ। इसी प्रकार **'भय'**, **'शांति'** और **'साथ-साथ'** शब्द श्यामपट्ट पर लिख कर पहले उनका मौखिक ही वाक्य-प्रयोग करवा लें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि भारत पूरे संसार को अपना घर या परिवार किस प्रकार मानता है? शांति और सफलता किस प्रकार एक-दूसरे से संबद्‌ध है, आदि।
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) गिरिजा कुमार माथुर
   (ख) कविता के माध्यम से कवि ने मेहनत करते हुए सफलता, शांति और लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ सफल होने का (ख) ☑ शांति (ग) ☑ हाथों में हाथ डाल कर

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) मन में सफल होने का विश्वास है।

(ख) हमें किसी बात का डर इसलिए नहीं है क्योंकि अब हम स्वतंत्र हैं। हम अपनी इच्छा के अनुसार अपना व्यक्तिगत जीवन जी सकते हैं। जीवन में जो भी चाहें, वह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

(ग) वर्तमान दिन अर्थात् आज के दिन की ही बात हो रही है, क्योंकि आज के दिन हम स्वतंत्र हैं।

3. इन पंक्तियों का भाव है कि हम अपने अच्छे कार्यों के द्वारा चारों ओर शांति का मार्ग प्रशस्त करेंगे, इस बात का हमें पूरा विश्वास है।
4. दी गई कविता की पंक्तियों को पूरा करवाएँ।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. भय, कामयाब, पूरा, साथ, दिन, विश्वास।
2. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. हम साथ-साथ पढ़ेंगे।
   हम साथ-साथ बढ़ेंगे।
   हम साथ-साथ खेलेंगे।

सोचिए और बताइए Think & Tell

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative work

प्रश्न 1, 2 और 3. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life skills

विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ शांति (ख) ☑ चलेंगे (ग) ☑ भय
2. (क) हमें इस बात का विश्वास है कि हम अवश्य सफल होंगे।
   (ख) होगी शांति चारों ओर!
   होगी शांति चारों ओर!
   होगी शांति चारों ओर एक दिन...

हो-हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास...
होगी शांति चारों ओर एक दिन!

(ग) नहीं डर किसी का आज
नहीं भय किसी का आज
नहीं डर किसी का आज के दिन...
हो-हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास...
नहीं डर किसी का आज के दिन!

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. भय, सफल, भरोसा, दिन, कामना
4. चारों ओर शांति होगी।
चारों ओर शांति है।
चारों ओर शांति थी।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 2 : पायल और कोको

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पशु प्रेम • दया भाव • सहानुभूति • तार्किक सोच एवं समस्या समाधान

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान

भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, क्रिया के लिंग, वाक्य रचना, शुद्ध-अशुद्ध शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	कहानी को अपने शब्दों में सुनाना, अभिनय, कविता लेखन, वर्ग पहेली
जीवन मूल्य Values	पशु-पक्षियों के साथ अच्छे व्यवहार की सीख
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी पायल और उसके प्यारे पिल्ले कोको की है। एक दिन पायल स्कूल से घर लौटी। जब वह स्कूल बस से उतरी तब तेज़ बारिश हो रही थी। वह तेज़ी से घर की ओर भागी। तभी उसने देखा कि घर के दरवाज़े के पास एक पिल्ला बारिश से बचने के लिए सिकुड़कर बैठा है। वह अपनी मम्मी से उसे घर में लाने का अनुरोध करती है। पहले तो वे मना करती हैं पर बाद में मान जाती हैं। पायल उस पिल्ले का नाम कोको रखती है। वह हर समय उसका ध्यान रखती पर कोको उदास ही रहता। एक बार तो वह घर से भाग भी गया। पर पायल उसे ढूँढ लाई। धीरे-धीरे कोको को घर से लगाव हो गया। अब वह हर समय पायल को ढूँढ़ता और मिल जाने पर उसके पीछे-पीछे घूमता। एक दिन पायल अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेल रही थी। कोको भी साथ था। वह अपने साथ एक बैग लाई थी, जिसे उसने एक ओर रख दिया था। वह अपने दोस्तों के साथ झूला झूल रही थी कि अचानक उसने कोको को एक लड़के के पीछे भागते हुए देखा। यह देखकर पायल और उसके दोस्त भी कोको के पीछे भागने लगे। पार्क के गेट के पास एक बुज़ुर्ग आदमी ने उस लड़के को पकड़ लिया। उसके हाथ में पायल का बैग था। बुज़ुर्ग के पूछने पर पायल ने बताया कि वह बैग उसका है। इतने में वह लड़का वहाँ से चला गया। पायल उसे ढूँढ़ने लगी। वह उसे पार्क के गेट के पास मिल गया। पायल के पूछने पर उसने बताया कि उसे बहुत प्यास लगी थी और वह उसके बैग में रखी पानी की बोतल से पानी पीना चाहता था। यह सुनकर पायल ने अपने बैग से पानी की बोतल निकाली और उसे दे दी। लड़के ने पानी पी कर पायल को धन्यवाद दिया और चला गया। पायल भी खुश होकर घर की ओर चल पड़ी। पीछे-पीछे कोको अपनी पूँछ हिलाते हुए चलने लगा।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी में पालतू पशु कुत्ते की बात आई है। विद्यार्थियों से पूछें कि और कौन-कौन से पशु हैं, जिन्हें पाला जाता है। ध्यान दें कि वे उन पशुओं के नाम हिन्दी में ही बताएँ।
2. कहानी पढ़कर समझ आता है कि पायल बहुत दयालु स्वाभाव की है। उसे पशु-पक्षियों से लगाव भी है। क्या इस प्रकार का स्वभाव होना अच्छी बात है? हमें पशु-पक्षियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? क्या नहीं करना चाहिए? इस तरह के प्रश्न पूछें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि पशु-पक्षियों को प्यार देने से, उनकी देखभाल करने से उन्हें भी हमसे लगाव हो जाता है। वे भी हमें प्यार करने लगते हैं और मुसीबत में हमारा साथ देते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **लड़के ने पायल के बैग में रखी हुई पानी की बोतल से ही पानी पीना चाहा क्योंकि -**
     - ☐ **वह बोतल देखने में बहुत सुंदर थी।**
     - ☐ **क्योंकि पार्क में लगे हुए नल में पानी नहीं आ रहा था।**
     - ☐ **लड़का उसी बोतल से पानी पीना चाहता था।**
10. श्यामपट्ट पर **वाक्य लिखकर** विद्यार्थियों को समझाएँ कि **वाक्य परिवर्तन** किस प्रकार करना है। जिन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहा गया है, उनका पहले मौखिक रूप से वाक्य में प्रयोग करवा दें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि लड़के ने जो किया क्या वह सही था या गलत था? कारण सहित बताने को कहें।
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।

13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें। फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) पायल को जानवरों से लगाव है।
   (ख) पायल को पिल्ला घर के दरवाज़े के पास मिला।
   (ग) यदि कुत्ते के गले में पट्टा बँधा हुआ हो तो उसका अर्थ है कि वह किसी का पालतू कुत्ता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ मैं इसे अंदर ले आऊँ। (ख) ☑ लगाव हो गया।
(ग) ☑ झूला झूले। (घ) ☑ एक व्यक्ति ने।

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) पायल ने पिल्ले को देखकर प्यार से उसके शरीर पर हाथ फेरा।
   (ख) पायल कोको का बहुत ज़्यादा ध्यान रखती। उसे खाना खिलाती, शाम को पार्क में घुमाने ले जाती। उसके साथ खेलती। इतनी देखभाल और प्यार के कारण कोको को घर से लगाव हो गया।
   (ग) लड़के को प्यास लगी थी। वह पायल के बैग में रखी हुई पानी की बोतल से पानी पीना चाहता था। पर तभी उसे कोको ने देख लिया। वह उसपर भौंकने लगा। यह देखकर लड़का डर गया। इसी कारण वह बैग लेकर भागा था।

3. लड़के की बात सुनकर पायल ने उसे अपनी पानी की बोतल दे दी ताकि वह पानी पी सके।
4. (क) पार्क (ख) बैग (ग) एक जगह (घ) मालिक (ड.) लड़के

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) वह छत पर पक्षियों के लिए खाना रखता है।
   (ख) वह बारिश से बचने के लिए सिकुड़कर बैठी है।
   (ग) वह छलाँग लगाकर लड़के के पीछे भागती है।
   (घ) वह रोज़ शाम को उसे बाहर घुमाने ले जाता है।
2. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. सिकुड़कर, प्यास, ध्यान, पालतू, पुस्तक।

सोचिए और बताइए Think & Tell

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

4. घोड़ा, चूहा, लोमड़ी, खरगोश, हिरण, शेर, भेड़, बकरी।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ दरवाज़े के पास।
   (ख) ☑ कोको भाग गया है।
   (ग) ☑ बैग में रखी हुई बोतल में से पानी पीने के लिए
2. (क) पिल्ला ठंड के कारण सिकुड़कर बैठा हुआ था।
   (ख) पायल अपने बैग में एक गेंद, एक पुस्तक, एक कॉपी, पेंसिल और कुछ मोमी रंगों के साथ एक पानी की बोतल भी रखती थी।
   (ग) कोको को लगा कि वह लड़का पायल का बैग चुरा कर भाग रहा है। इसीलिए वह उसके पीछे भागा।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. सूखा, भीतर, प्रसन्न, छोड़ना, सफल, भरोसा, दिन, कामना।
4. विद्यार्थियों को क्रिया शब्दों के विषय में समझाएँ और पाठ में से क्रिया शब्द स्वयं ढूँढ़कर लिखने के लिए कहें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 3 : यूरेका! यूरेका!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• वैज्ञानिक सोच का विकास • सोच-समझकर काम करना • लालच न करना • सतर्क रहना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, वाक्य रचना, क्रिया
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध, शीर्षक बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	इंटरनेट का उपयोग करके वैज्ञानिक सिद्धांतों के बारे में जानना, किसी वैज्ञानिक पर प्रोजेक्ट बनाना, शब्द पहेली, अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना

जीवन मूल्य Values	सच्चाई एवं ईमानदारी का महत्त्व
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ महान वैज्ञानिक आर्कमिडीज़ के जीवन की एक घटना से संबंधित है। एक बार सिसली के राजा की इच्छा हुई कि वह अपने लिए एक नया मुकुट बनवाए। इस काम के लिए उसने एक सुनार को बुलाया और खजाने से सोना निकालकर उसे दे दिया। वह सुनार बहुत चालाक और लालची था। उसने उस सोने में से थोड़ा-सा सोना चुरा लिया और उसकी जगह चाँदी मिला दी। फिर उसने मुकुट बनाकर राजा को दे दिया। राजा को मुकुट पसंद तो आ गया पर मुकुट के रंग को देखकर उसे कुछ संदेह हुआ। मुकुट तुलवाया गया तो उसका भार एकदम सही था। राजा का संदेह फिर भी दूर नहीं हुआ। कुछ सोचकर उसने आर्कमिडीज़ को दरबार में बुलवाया और कहा कि वह यह पता लगाए कि मुकुट में कोई और धातु तो नहीं मिलाई गई है। आर्कमिडीज़ मुकुट लेकर अपने घर आ गए। वे कई दिनों तक इस समस्या को सुलझाने में लगे रहे, पर कोई हल न निकला। एक दिन वे बाथटब में नहाने गए। जैसे ही वे टब के अंदर गए, टब में से कुछ पानी बाहर फर्श पर गिर गया। यह देखकर वे खुशी से झूम उठे। उन्हें समस्या का हल मिल गया था। वे तुरंत राजा के दरबार में गए। उन्होंने मुकुट के भार के बराबर एक सोने का और एक चाँदी का गोला मँगवाया। साथ में दो बर्तन भी मँगवाए, जिनमें ऊपर तक पानी भरा हुआ था। उन्होंने पहले सोने के गोले को पानी में डाला। जो पानी निकाला उसे माप लिया। फिर यही उन्होंने चाँदी के गोले के साथ किया। उन्होंने देखा कि चाँदी का गोला बर्तन में डालने पर ज़्यादा पानी बाहर निकला। अंत में उन्होने मुकुट को पानी में डाला। मुकुट को पानी में डालने पर सोने के गोले द्वारा निकाले गए पानी से ज़्यादा पानी बाहर निकला। इस तरह यह सिद्ध हो गया कि मुकुट में कोई और धातु भी मिली हुई है, क्योंकि चाँदी में सोने से ज़्यादा भार होता है। सख्ती से पूछने पर सुनार ने भी अपनी गलती मान ली। राजा ने सुनार को जेल में डाल दिया और आर्कमिडीज़ की बहुत प्रशंसा की।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ एक वैज्ञानिक से संबंधित है। विद्यार्थियों को कुछ वैज्ञानिकों के नाम (जैसे जेम्स वॉट (भाप का इंजन), थॉमस एल्वा एडीसन (बल्ब) आदि) बताएँ। उनके

द्वारा किए गए एक-दो आविष्कारों की जानकारी भी दें। यदि विद्यार्थियों के कुछ प्रश्न हों तो उनके भी उत्तर दें।

2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
4. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
5. अब पूछें कि पाठ में सुनार ने सोने में मिलावट कर दी थी। क्या किसी भी वस्तु में मिलावट करना अच्छी बात है? लोग वस्तुओं में मिलावट क्यों करते हैं? पूछें, खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट होने पर उसका क्या परिणाम हो सकता है। वस्तुओं में मिलावट को किस प्रकार रोका जा सकता है?
6. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
7. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **'यूरेका' शब्द का क्या अर्थ है ?**
     ☐ **यूरोप** ☐ **खो गया** ☐ **मिल गया**
9. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** लिखकर फिर उनका वाक्य में प्रयोग करके समझाएँ। विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का **मौखिक रूप** से वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। **'दे जाता' 'ले जाता' 'मिला देता'** आदि का भी मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग करवाएँ फिर, **कॉपी में वाक्य** बनवाएँ।
10. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि राजा ने सुनार को जेल में डलवा दिया। क्या उसे उचित सज़ा मिली या राजा उसे कोई और सज़ा भी दे सकता था।? इसमें प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करें।
11. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) आर्कमिडीज़ यूनान के सिसली राज्य में रहते थे।
   (ख) राजा ने सोने का नया मुकुट बनवाने के लिए सुनार को दरबार में बुलवाया।
   (ग) मुकुट देखते ही राजा ने कहा, "यह बहुत सुंदर है!"
   (घ) राजा ने आर्कमिडीज़ को दरबार में बुलवाकर मुकुट के सोने में की गई मिलावट का पता लगाने के लिए कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ प्रसिद्ध वैज्ञानिक (ख) ☑ सुनार को
(ग) ☑ दिए गए सोने से ज़्यादा (घ) ☑ उस वस्तु के भार के बराबर

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) राजा सोने का नया मुकुट बनवाना चाहता था।
   (ख) सुनार ने मुकुट बनाने के लिए दिए गए सोने में से कुछ सोना चुरा लिया और उसमें उतनी ही मात्रा में चाँदी मिला दी।
   (ग) आर्कमिडीज़ 'यूरेका! यूरेका!' इसलिए चिल्लाने लगे क्योंकि उन्हें अपनी समस्या का हल मिल गया था।
   (घ) एक दिन आर्कमिडीज़ बाथटब में नहाने गए। जैसे ही वह टब के अंदर गए, टब में से कुछ पानी बाहर फ़र्श पर गिर गया। यह देखकर वे खुशी से झूम गए। इसी घटना के कारण उन्हें समस्या का हल मिल गया था।
3. (क) राजा ने – सैनिक से (ख) राजा ने – आर्कमिडीज़ से
   (ग) आर्कमिडीज़ ने - राजा से (घ) सुनार ने – राजा से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. कम x ज़्यादा | पुराना x नया | उदासी x खुशी | हल्का x भारी
   रात x दिन | सरल x कठिन | कुरूप x सुंदर | अशुद्ध x शुद्ध
2. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

सोचिए और बताइए Think & Tell

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

3. आइंस्टीन, आर्कमिडीज़, गैलीलियो, एडिसन

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ सिसली के (ख) ☑ चालाक और लालची (ग) ☑ मिल गया।
2. (क) राजा को मुकुट देखकर संदेह हुआ कि उसमें कोई दूसरी धातु भी मिलाई गई है।
   (ख) जब वे बाथटब में नहाने गए तब जैसे ही वे अंदर गए, टब में से कुछ पानी तुरंत बाहर निकल गया। यह देखकर उन्हें लगा कि समस्या का हल मिल गया है।
   (ग) अंत में सुनार ने अपनी गलती मानते हुए कहा – "महाराज! मैंने थोड़ा-सा सोना चुराया था और उसकी जगह चाँदी मिला दी थी।"

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. कवि-कवयित्री	सेवक-सेविका	अध्यापक-अध्यापिका
4. आज्ञा – यज्ञ, ज्ञान	प्रणाम – प्राण, प्रतिज्ञा	क्षमा – रक्षा, क्षत्रिय

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 4 : पुस्तक मेला

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पुस्तक प्रेम • पुस्तकों का महत्त्व • शिक्षा का महत्त्व • बोलने और अपनी बात कहने की योग्यता का विकास

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	संवादात्मक पाठ
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, युग्म शब्द, एकवचन-बहुवचन, वाक्य रचना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, कल्पना, अनुमान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	पुस्तक पर पाँच वाक्य लिखना, मनपसंद लेखक के बारे में बताना, निबंध लेखन
जीवन कौशल Life Skills	पुस्तकों का महत्त्व समझकर उनसे जीवन में सीख लेना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ पुस्तक मेले के बारे में है। इसमें पुस्तक मेले से संबंधित रोचक जानकारियाँ दी गई हैं। हिंदी की कक्षा शुरू होते ही अध्यापक विद्यार्थियों के पूछने पर बताते हैं कि आज वे पुस्तकों के विषय में पढ़ेंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से पूछते हैं कि वे पुस्तकों के बारे में क्या जानते हैं। सीमा कहती है कि पुस्तकें हमारा ज्ञान बढ़ाती हैं। रोहित कहता है कि

पुस्तकों में कहानियाँ और कविताएँ होती हैं। अध्यापक पूछते हैं कि क्या किसी ने 'पुस्तक मेले' के बारे में सुना है? पुस्तकों का भी मेला होता है, यह सुनकर सब हैरान होते हैं। पर अनन्या कहती है कि उसने पुस्तक मेले के बारे में सुना है। वह अपने पापा के साथ कोलकाता में लगे एशिया के सबसे बड़े पुस्तक मेले में गई थी। अध्यापक पुस्तक मेले के बारे में और बताते हुए कहते हैं कि पुस्तक मेलों के द्वारा पुस्तकों का प्रचार-प्रसार किया जाता है, ताकि वे ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुँच सकें। पुस्तक मेलों के द्वारा इनकी लोकप्रियता तो बढ़ती ही है, साथ ही एक ही स्थान पर विभिन्न विषयों की और अनेक भाषाओं में पुस्तकें मिल जाती हैं। इसमें देश-विदेश से आए प्रकाशक भाग लेते हैं। देश के अलग-अलग शहरों – दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, आदि में पुस्तक मेलों का आयोजन होता है। नई दिल्ली में लगने वाला 'विश्व पुस्तक मेला' बहुत बड़ा होता है। यह लगभग एक सप्ताह तक चलता है। वहाँ तरह-तरह के कार्यक्रम जैसे – लेखकों से बातचीत, पुस्तक विमोचन समारोह तथा बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, आदि का आयोजन होता है। और यदि आप भाग्यशाली रहे तो अपने प्रिय लेखक से मिल भी सकते हैं। इसके अतिरिक्त वहाँ खाने-पीने के स्टाल भी होते हैं ताकि भूख लगने पर पेट पूजा भी की जा सकती है। ये सब बताने के बाद अध्यापक पूछते हैं कि आप सब में से कौन-कौन पुस्तक मेले में जाना चाहता है? सब विद्यार्थी एक साथ हाथ खड़ा करते हैं। यह देखकर अध्यापक कहते हैं कि अगली बार जब पुस्तक मेला लगेगा, मैं प्रधानाचार्य जी से कह कर तुम सबको वहाँ ले जाने की अनुमति माँगूँगा।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह संवादात्मक पाठ पुस्तक मेला एवं पुस्तकों से संबंधित बातों पर आधारित है। विद्यार्थियों को पुस्तकों की उपयोगिता बताएँ कि किस प्रकार वे हमारे ज्ञान में वृद्धि करती हैं। पुस्तकें ज्ञान का ही नहीं अपितु मनोरंजन का भी साधन हैं। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पाठ पढ़कर** सुना दें। फिर पूछें कि क्या वे कभी किसी पुस्तक मेले में गए हैं? अथवा उनके परिवार में या कोई मित्र ऐसे मेले में गया है? वहाँ उन्होंने जो कुछ भी देखा उसके बारे में बताने को कहें। परिवार में या कोई मित्र गया है और उसने अपने अनुभव आपको बताए हैं, तो वे भी बता सकते हैं। यदि नहीं गए हैं तो कल्पना के आधार पर बताने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।

5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ क्योंकि पुस्तकों पर आधारित है, अत: विद्यार्थियों से पूछें कि क्या उनके घर में कोई पत्रिका आती है? कौन-सी आती है, उसका नाम पूछें। उसे कौन पढ़ता है, यह भी बताने को कहें। पुस्तक मेले में कुछ खरीदने या बेचने से संबंधित कुछ संवाद बुलवा सकते हैं। सभी तरह की पुस्तकों और उनकी उपयोगिता पर बातचीत भी कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **एशिया का सबसे बड़ा पुस्तक मेला कहाँ लगा था?**
     ☐ **हैदराबाद में** ☐ **दिल्ली में** ☐ **कोलकाता में**
10. **गतिविधि-1** में दिए गए **युग्म शब्दों** को पहले मौखिक रूप से बुलवा लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य उदाहरण भी दें।
11. **गतिविधि-2** में पहले श्यामपट्ट पर **एकवचन-बहुवचन** की परिभाषा समझा दें। फिर दिए गए शब्दों के वचन मौखिक रूप से बदलवा लें। उसके बाद कॉपी या पुस्तक में लिखवाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य उदाहरण भी दें। **गतिविधि-3** में दिए गए युग्म शब्दों का पहले मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि पुस्तकें न होती तो रोज़ की पढ़ाई पर इसका क्या असर होता?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) पुस्तकों में कहानियाँ और कविताएँ होती हैं।
   (ख) अनन्या ने जिस पुस्तक मेले के बारे में बताया, वह कोलकाता में लगा था।
   (ग) पुस्तक मेले में पुस्तकों का प्रचार-प्रसार किया जाता है, ताकि वे ज़्यादा लोगों तक पहुँच सकें। इस प्रकार उनकी लोकप्रियता बढ़ जाती है।
   (घ) पुस्तक मेले में हम लेखकों के हस्ताक्षर ले सकते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ हमारी मित्र–पुस्तकें
(ख) ☑ वह एशिया का सबसे बड़ा पुस्तक मेला था।
(ग) ☑ टिकट घर

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) पुस्तक मेला दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, आदि शहरों में आयोजित होता है।
   (ख) नैना ने बताया कि उसने पुस्तक मेले के बारे में कभी नहीं सुना।
   (ग) कोलकाता का पुस्तक मेला एशिया का सबसे बड़ा पुस्तक मेला था। वहाँ बड़ी संख्या में लोग पुस्तकें खरीदने और बेचने जाते हैं।
   (घ) पुस्तक मेले में कई कार्यक्रम होते हैं– लेखकों से बातचीत, पुस्तक विमोचन समारोह, बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता, इत्यादि।
3. (क) प्रकाशक (ख) पुस्तकें, सजाते, मनपसंद
   (ग) दाम, छूट (घ) पेट-पूजा
   (ङ) उत्साहित

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. उठने – बैठने | चलते – फिरते
   दौड़ते – भागते | सोते – जागते

2.

मेले	शहर
टिकटें	कहानियाँ
पुस्तकें	संख्याएँ
दुकानें	कविताएँ

सोचिए और बताइए Think & Tell
इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) लोकप्रियता
   (ख) ज्ञान
   (ग) उत्साहित हैं
2. (क) अध्यापक ने पुस्तक मेले के बारे में बताया कि पुस्तक मेलों के द्वारा पुस्तकों का प्रचार-प्रसार किया जाता है। पुस्तक मेलों के द्वारा पुस्तकों की लोकप्रियता बढ़ जाती है। एक ही स्थान पर विभिन्न विषयों की और अनेक भाषाओं में पुस्तकें मिल जाती हैं।
   (ख) पुस्तक मेला इसलिए बड़ा होता है, क्योंकि इसमें देश-विदेश से आए प्रकाशक भाग लेते हैं।
   (ग) पुस्तक मेले में देश-विदेश से आए प्रकाशक भाग लेते हैं। इनके माध्यम से पुस्तकों का प्रचार-प्रसार किया जाता है। पुस्तक मेलों में पुस्तकों की लोकप्रियता बढ़ जाती है। एक ही स्थान पर विभिन्न विषयों की और अनेक भाषाओं में पुस्तकें मिल जाती हैं।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) तुम सब पुस्तकें पढ़ते हो। ज़रा बताओ तो, क्या जानते हो पुस्तकों के बारे में?

(ख) सर, मैं बताऊँ ? पुस्तकें हमारे ज्ञान को बढ़ाती हैं।

(ग) नहीं-नहीं देश के अलग-अलग शहरों जैसे – दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, आदि में पुस्तक मेलों का आयोजन होता है।

4. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. सभी निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

6. सभी निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 5 : देश का नव-निर्माण करें हम!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• देश प्रेम • सर्वधर्म समभाव • देश के प्रति कर्त्तव्य की भावना • जीवन में सतत आगे बढ़ने की प्रेरणा

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियों का अर्थ बताना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, पर्यायवाची शब्द, वाक्य रचना, विलोम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	आशय, वर्णन, कल्पना, अनुमान, संदेश
रचनात्मक कार्य Art Integration	देश प्रेम पर आधारित कविता सुनाना, अनुच्छेद लेखन, इंटरनेट का उपयोग करके चार्ट बनाना, देश के नव-निर्माण के लिए क्या-क्या करेंगे–यह बताना

जीवन मूल्य Values	देश प्रेम की भावना का विकास एवं सर्वधर्म समभाव
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में देश के नव-निर्माण की बात कही गई है। साथ ही अच्छे काम करने का संकल्प लेने की प्रेरणा भी दी गई है। कविता में नई उमंगों-तरंगों तथा नई क्रान्ति से देश का निर्माण करने की प्रेरणा दी गई है। अज्ञान को दूर करके ज्ञान का दीपक जलाकर, सभी धर्मों का सम्मान करके, जाति-पाँति का भेद-भाव मिटाकर मिल-जुलकर हम अपने देश का नव-निर्माण करेंगे। संसार में उसका मान बढ़ाएँगे, यश दिलवाएँगे।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को कविता का सार समझाएँ, जोकि ऊपर दिया गया है। बताएँ कि हमें अपने देश की उन्नति में हर प्रकार से सहयोग करना चाहिए। हमारे द्वारा किया गया कठिन परिश्रम ही देश का निर्माण करता है। हम किस प्रकार देश के निर्माण में सहयोग दे सकते हैं, इस विषय में बातें करें। इसपर उनके विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब विद्यार्थियों को बताएँ कि जो लोग समाज और देश का भला चाहते हैं, वे सदा अच्छे कार्य करते हैं। सदैव देश और समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हैं। सदैव सच्चे और ईमानदार रहते हैं। इस प्रकार की प्रेरणादायक बातचीत करें। इस बातचीत में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप कविता पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इस कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **कविता का मुख्य भाव क्या है ?**
     - ☐ **देश और समाज की उन्नति**
     - ☐ **नई-नई वस्तुओं का निर्माण करना**
     - ☐ **सदैव काम में लगे रहना**
9. **गतिविधि-1** में श्यामपट्ट पर **पर्यायवाची शब्दों** की परिभाषा बताकर गतिविधि को मौखिक रूप से करवाएँ। उसके बाद पाठ्यपुस्तक या कॉपी में करने के लिए दें। **गतिविधि-2** में श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ कि वाक्य में परिवर्तन किस प्रकार करना है।
10. **गतिविधि-3** में श्यामपट्ट पर लिखकर **विलोम शब्द** मौखिक रूप से ही पूछ लें। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मुख्य विषय क्या है?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

2. (क) नवयुग का सूरज क्रांति का प्रकाश लाया है।
   (ख) कविता में सब धर्मों के सम्मान की बात इस प्रकार कही गई है कि हमारे देश में मंदिर-मस्जिद, गिरजे और गुरुद्वारे हैं। हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए।
   (ग) नई क्रांति लाने की बात की जा रही है जिससे ज्ञान रूपी प्रकाश फैलेगा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ नव-निर्माण (ख) ☑ राग (ग) ☑ धर्मों

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) 'देश का नव-निर्माण' का अर्थ है एक नए रूप नए विचारों से देश को फिर से बनाना।
   (ख) 'ज्ञान-प्रकाश फैलाएँगे' का अर्थ है ज्ञान रूपी प्रकाश के द्वारा अज्ञान को दूर करके लोगों को जागृत करना।
   (ग) 'सब धर्मों का सम्मान करें हम' – का अर्थ है हम सभी धर्मों को समानता से देखें तथा किसी धर्म को छोटा न समझें।
3. (क) क्रांति का प्रकाश लाया है।
   नए राग का गान करें हम।।
   (ख) फिर नए-नए प्राण भरें हम।
   देश का नव-निर्माण करें हम।।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) नव (ख) सिर (ग) तम (घ) ज्योति
2. (क) रश्मि आ गई। (ख) पिता जी आ गए।
   (ग) दादी जी आ गईं।
3.

वीर	–	कायर	नया	–	पुराना
ज्ञान	–	अज्ञान	अँधकार	–	प्रकाश

सोचिए और बताइए Think & Tell

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) देश के नव-निर्माण की।
   (ख) देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जाए।
   (ग) देश प्रेम से।
2. इस कविता का संदेश यह है कि हमारे मन में ऐसी भावनाएँ हों कि हमारे कार्यों के द्वारा देश सदैव प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जाए। हम मिल-जुलकर देश को उन्नत बना दें।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. हम X, सुंदर X, आओ X, करना X
4. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 6 : परीक्षा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• सहयोग • ईमानदारी • कर्त्तव्य-भावना • दूसरों की सहायता करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, वाक्य रचना, मुहावरों का अर्थ लिखना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	चरित्र-चित्रण, कारण, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, समस्या समाधान, शीर्षक बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	कहानी में आई किसी घटना का चित्र बनाना, संख्याओं को हिंदी में लिखना, प्रेमचंद की कहानियाँ पढ़ना
जीवन मूल्य Values	दूसरों की सहायता करना एवं कर्त्तव्य-परायणता
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी कर्त्तव्य-परायणता पर आधारित है। जो व्यक्ति अपने कर्त्तव्य का निर्वाह पूरी ईमानदारी से करता है, वह जीवन में सदैव उन्नति करता है। सुजान सिंह देवगढ़ रियासत

के दीवान थे। उन्होंने चालीस सालों तक रियासत की सेवा की थी। अब वे बूढ़े हो गए थे, अतः अपने कर्त्तव्यों से मुक्त होना चाहते थे। अब वे ईश्वर में अपना ध्यान लगाना चाहते थे। ये विचार मन में लिए वे राजा के पास गए और बोले कि मैं दीवान का पद छोड़ना चाहता हूँ। राजा अपने नीति कुशल और अनुभवी दीवान को छोड़ना नहीं चाहते थे। उन्होंने उनसे बहुत आग्रह किया कि वे इस पद को न छोड़ें। किंतु जब वे नहीं माने तो राजा ने आग्रह किया कि रियासत के लिए नया दीवान आप ही चुनेंगे। सुजान सिंह उनकी यह बात मान जाते हैं और देश के सभी समाचार-पत्रों में इसके लिए विज्ञापन दे देते हैं। विज्ञापन में विद्या से अधिक आचार-विचार, रहन-सहन, कर्त्तव्य-परायणता और स्वस्थ शरीर संबंधी गुणों की बात कही गई थी। एक महीने तक यह सब देखा जाएगा। जो इस परीक्षा में सफल होगा, उसे दीवान का पद दिया जाएगा। विज्ञापन ने रियासत में खलबली मचा दी। अपना भाग्य आजमाने के लिए विभिन्न प्रदेशों से लोग रियासत में आने लगे। सब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहे थे। सोच रहे थे, एक महीने की बात है, किसी तरह काट लो, कहीं दीवान बन गए तो आराम-ही-आराम है! कुछ नौजवान, जिनसे समय नहीं काटा जा रहा था, उन्होंने आपस में हॉकी का मैच खेलने का निर्णय लिया। बड़े उत्साह से खेल शुरू हुआ और बहुत देर तक चला। खिलाड़ी हाँफते-हाँफते थक गए पर हार-जीत का निर्णय नहीं हो सका। अँधेरा हो गया था। खिलाड़ी अपने-अपने शिविरों में लौट रहे थे। मैदान से कुछ दूर एक नाला था। उसपर कोई पुल नहीं था। एक किसान अपनी अनाज से भरी हुई बैलगाड़ी नाले के उस पार ले जाना चाहता था। पर नाले में कीचड़ था और कुछ चढ़ाई भी थी। लाख कोशिश करने पर भी गाड़ी ऊपर चढ़ने का नाम नहीं ले रही थी। बहुत-से खिलाड़ी उधर से निकले। पर किसी ने भी उसकी मदद नहीं की। उसी समूह में एक युवक था। खेलते समय उसके पैर में चोट लग गई थी। वह किसान के पास आया और बोला, "मैं तुम्हारी मदद कर देता हूँ।" किसान ने जोर लगाकर हाथों से पहिये को धकेला। कुछ सहारा मिला तो बैलों ने भी ज़ोर लगाया और देखते-ही-देखते गाड़ी कीचड़ से बाहर निकल आई। युवक ने हँस कर कहा, "अब मुझे कुछ इनाम भी दो!" किसान ने कहा, "ईश्वर ने चाहा तो दीवानी आपको ही मिलेगी।" यह कहकर किसान चला गया। परिणाम का दिन आया तो सुजान सिंह सबको संबोधित करके बोले, "जो स्वयं घायल होकर भी दूसरों की मदद करे, ऐसे लोग सदा सबका भला करते हैं। मैं पंडित जानकीनाथ को रियासत का नया दीवान बनने पर हार्दिक बधाई देता हूँ!" सब लोग नया दीवान चुने जाने पर तालियाँ बजाने लगे।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी कर्त्तव्य-परायणता पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें सहयोग की भावना भी है। विद्यार्थियों को बताएँ कि संकट या आवश्यकता पड़ने पर अपनों या

मित्रों की ही नहीं, अपितु अंजान लोगों की मदद करना भी हमारा कर्त्तव्य है। पूछें, क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति की मदद की है, जिसे आप जानते नहीं थे? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।

2. अब **पढ़कर कहानी सुना दें।** फिर पूछें कि क्या हमें अपने कर्त्तव्यों का पालन ईमानदारी से करना चाहिए? यदि हम अपने कर्त्तव्यों का पालन सच्चाई और ईमानदारी से करेंगे तो क्या होगा? जो लोग ऐसा नहीं करते हैं, उनके लिए वे क्या कहना चाहेंगे? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि कर्त्तव्य-परायणता पर आधारित है, अत: इससे संबंधित कोई कहानी सुना दें, जिसमें हर परिस्थिति में कर्त्तव्य का पालन किया गया हो। यदि कोई विद्यार्थी कर्त्तव्य-परायणता से संबंधित कोई घटना सुनाना चाहता है, तो उसे सुनाने दें और उसपर बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **पंडित जानकीनाथ को चोट कहाँ लगी थी?**
     ☐ **पैर में** ☐ **हाथ में** ☐ **सिर में**
10. **गतिविधि-1** में दिए गए शब्दों का पहले **मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग** करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका **वाक्य-प्रयोग** करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए **मुहावरों** का भी पहले मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका **वाक्य-प्रयोग** करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि कोई भी किसान की मदद नहीं करता तो क्या होता?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।

14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) सुजान सिंह देवगढ़ रियासत के दीवान थे।
   (ख) सुजान सिंह के दीवान पद छोड़ने की बात पर राजा ने यह शर्त रखी कि रियासत के लिए नया दीवान सुजान सिंह ही खोजेंगे। इसी बात पर सुजान सिंह ने कहा कि आपकी आज्ञा का पालन होगा।
   (ग) विज्ञापन में नए दीवान पद की घोषणा की गई थी, इसी बात से रियासत में खलबली मच गई।
   (घ) दीवान पद के लिए विज्ञापन में कहा गया कि एक महीने तक उम्मीदवार के आचार-विचार, रहन-सहन, कर्त्तव्य-परायणता की परीक्षा ली जाएगी। सफल उम्मीदवार को दीवान का पद दिया जाएगा।
   (ङ) नहीं, हॉकी के मैच में हार-जीत का निर्णय नहीं हो सका।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ वे नीति कुशल और योग्य थे।
(ख) ☑ दीवान पद के विज्ञापन ने
(ग) ☑ नौजवानों ने (घ) ☑ कीचड़ में

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।

2. (क) महाराज ने सुजान सिंह के सामने यह शर्त रखी कि रियासत का अगला दीवान स्वयं सुजान सिंह ही खोजेंगे, तभी उन्हें जाने की अनुमति दी जाएगी।
   (ख) दीवान पद के लिए विभिन्न प्रदेशों से तरह-तरह के लोग – सादगी पसंद से लेकर आधुनिक फ़ैशन वाला हर कोई भाग्य आज़माने पहुँचे।
   (ग) देवगढ़ के लिए हॉकी का खेल नया इसलिए था क्योंकि पढ़े-लिखे लोग शतरंज और ताश जैसे गंभीर खेल खेलते थे। दौड़-कूद के खेल बच्चों के खेल समझे जाते थे।
   (घ) किसान की मदद करने वाले युवक में दया और साहस जैसे गुण थे।
   (ङ) सुजान सिंह ने नए दीवान के लिए कहा कि जो स्वयं घायल होने पर भी दूसरों की मदद करे, ऐसे व्यक्ति सदा सबका भला करते हैं।
3. (क) सुजान सिंह ने राजा से
   (ख) राजा ने सुजान सिंह से
   (ग) युवक ने किसान से
   (घ) किसान ने युवक से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) मेहनत करोगे तो **परीक्षा** में अच्छे अंक आएँगे।
   (ख) राजा का **अनुरोध** सुजान सिंह मान गए।
   (ग) विद्यार्थी का कर्त्तव्य है कि वह मन लगाकर विद्या प्राप्त करे।
   (घ) मेहनत करने का **परिणाम** सदा अच्छा ही होता है।
   (ङ) युवक ने खुद **घायल** होते हुए भी किसान की मदद की।
2. (क) प्रतीक्षा करना
   (ख) अपने भाग्य की परीक्षा लेना
   (ग) कुशलता से कार्य करना
   (घ) पसीने से भीग जाना

सोचिए और बताइए Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। अध्यापक निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। अध्यापक निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) चालीस
   (ख) सुजान सिंह से
   (ग) शतरंज
2. (क) समाचार-पत्र में विज्ञापन छपने के बाद रियासत में चर्चा होने लगी कि इतना ऊँचा पद और योग्यता में केवल आचार-विचार।
   (ख) सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के प्रयास में कोई जो नौ बजे सो कर उठता था, वह सुबह जल्दी उठने लगा। जो नौकरों से बुरा व्यवहार करता था, अब उनसे अच्छा व्यवहार करने लगा। जो पुस्तकों से दूर भागते थे, वे बड़े-बड़े ग्रंथ पढ़ने लगे।
   (ग) हॉकी का मैच बड़े उत्साह से शुरू हुआ। सब खेलते-खेलते पसीना-पसीना हो गए। पर हार-जीत का निर्णय नहीं हुआ।
   (घ) किसान की गाड़ी ऊपर इसलिए नहीं चढ़ रही थी, क्योंकि नाले में कीचड़ अधिक था और कुछ चढ़ाई भी थी।
3. (क) दीवान, विज्ञापन (ख) सज्जन, उपस्थित (ग) आचार-विचार, कर्त्तव्य-परायणता (घ) परीक्षा, पद।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. ऊँचा – ऊँचे
   योग्यता – योग्यताएँ
   ताली – तालियाँ
   पढ़ा-लिखा – पढ़े-लिखे

5 (क) आया (ख) चढ़ पा रही थी (ग) ललकारता (घ) ले रही थी।

6 आदर-सत्कार, रहन-सहन, सुबह-सवेरे, दौड़-कूद, हार-जीत

7. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

8. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 7 : राजकुमारों की सूझ-बूझ

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• मेहनत करना • सोच-समझकर काम करना • जीवन में प्रयास करते रहना • किसी भी परिस्थिति में न घबराना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, स्त्रीलिंग-पुल्लिंग बताना, शब्द निर्माण
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, परिणाम, चरित्र-चित्रण, कल्पना, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध, संदेश
रचनात्मक कार्य Art Integration	पंचतंत्र की कहानियाँ पढ़ना और सुनाना, अभिनय
जीवन कौशल Life Skills	जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी दो ऐसे राजकुमारों के बारे में है, जो आलस्य के कारण न तो पढ़ते-लिखते थे और न ही कोई काम करते थे। बहुत पुरानी बात है। अमरशक्ति नाम का एक राजा था। उसके दो पुत्र थे। दोनों ही शिक्षा से दूर भागते थे। वे बड़ों की बात भी नहीं मानते थे। राजा ने कई शिक्षक नियुक्त किए पर कोई लाभ न हुआ। एक दिन उसने इस विषय

में अपने मंत्रियों से सलाह की तो एक मंत्री ने सुझाव दिया कि हमारे राज्य में सिद्धार्थ नाम के एक ऋषि हैं। वे आपकी समस्या दूर कर सकते हैं। राजा तुरंत उनके पास गए और अपनी समस्या बताई। सारी बात जानकार ऋषि बोले, "राजकुमारों को सही रास्ते पर लाया जा सकता है। आप उन्हें मेरे पास भेज दें।" राजा ने दोनों राजकुमारों को किसी तरह समझा-बुझाकर ऋषि के पास भेज दिया। राजकुमारों को पुस्तकों में कोई रुचि नहीं थी, अत: ऋषि ने उन्हें काम के द्वारा सिखाना शुरू किया। वे उन्हें कई तरह के काम देते, जिन्हें वे अनमने ढंग से कभी करते तो कभी नहीं करते। इसी तरह छह माह बीत गए। तब ऋषि ने सोचा कि अब इनकी परीक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने राजकुमारों को बुलवाया और कहा – "पुत्रो! तुम्हें तीन काम करने होंगे। पहला – छोटी सुराही में बड़ी सुराही डालकर दिखाओ। दूसरा – आश्रम में गीले पड़े हुए अनाज को बिना बाहर निकाले सुखाकर दिखाओ। और तीसरा – मेरे सिर का सही-सही वज़न बताओ।" "यह तो असंभव है!" दोनों राजकुमारों ने एक साथ कहा। ऋषि बोले, "तुम्हें ये दोनों काम करने ही होंगे, ऐसा राजा का आदेश है। यदि ये काम नहीं करोगे तो तुम्हारी सारी सुख-सुविधाएँ छीन ली जाएँगी।" यह सुनकर दोनों राजकुमारों के चेहरे का रंग उड़ गया। वे रातभर सोचते रहे कि ये काम किस तरह होंगे। अंत में उन्हें एक उपाय सूझ ही गया। सुबह वे ऋषि के पास आए और बोले, "हम वे तीनों काम करने के लिए तैयार हैं।" यह सुनकर ऋषि बहुत प्रसन्न हुए। पहले काम के लिए राजकुमारों ने बड़ी सुराही के टुकड़े करके उन्हें छोटी सुराही में डाल दिया। दूसरे काम के लिए उन्होंने गीले अनाज को एक कमरे में फैलाकर उसकी दीवार हथौड़े से तोड़ दी, जिससे वहाँ हवा और धूप आने लगी। इस प्रकार बिना बाहर निकाले अनाज सूखने लगा। तीसरे काम के लिए उन्होंने ऋषि से झिझकते हुए कहा – "आपके सिर का सही-सही वज़न करने के लिए हमें इसे धड़ से अलग करना होगा। इसकी अनुमति दीजिए।" ऋषि उनकी सूझ-बूझ से बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने राजकुमारों को समझाया कि "जिस प्रकार तुम दोनों ने यहाँ बुद्धि लगाई, उसी प्रकार तुमको राज्य के कार्यों में भी बुद्धि लगानी चाहिए।" राजकुमारों को उनकी बात समझ में आ गई। उन्होंने ऋषि के आश्रम में रहकर ही शिक्षा ग्रहण करने का निर्णय लिया। राजा को जब यह बात पता लगी तो वह बहुत प्रसन्न हुआ।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी आलस्य न करने पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें आज्ञा-पालन जैसे सद्‌गुणों का भी समावेश है। विद्‌यार्थियों को बताएँ कि हमें अपने से बड़ों की आज्ञा का सदैव पालन करना चाहिए। वे सदैव हमारा भला ही सोचते हैं। यदि विद्‌यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।

2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर पूछें कि क्या आलस्य करना अच्छी बात है? पूछें, आलस्य के कारण हमें क्या-क्या हानि हो सकती है? जो लोग आलस्य करते हैं, उनके लिए वे क्या कहना चाहेंगे? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि आलस्य पर आधारित है, अत: इससे संबंधित कोई कहानी सुना दें, जिसमें आलस्य के कारण कोई मुसीबत में फँस गया हो। यदि कोई विद्यार्थी आलस्य से संबंधित कोई घटना सुनाना चाहता है, तो उसे सुनाने दें और उसपर बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **सिद्धार्थ नामक ऋषि कहाँ रहते थे?**
     - ☐ **हिमालय पर**
     - ☐ **अमरशक्ति राजा के राज्य में**
     - ☐ **राज्य के बाहर जंगल में**
10. **गतिविधि-1** में पहले श्यामपट्ट पर **पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्दों** की परिभाषा बता दें। फिर दिए गए शब्दों के लिंग **मौखिक रूप** से ही पूछने के बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** भी पहले श्यामपट्ट पर बताएँ कि शब्दों में किस प्रकार परिवर्तन करना है। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि क्या कारण था कि राजकुमार तीनों काम करने के लिए तैयार हो गए?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।

15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से कहें कि वे स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) राजा सच्चा और न्यायप्रिय था।
   (ख) दोनों राजकुमार शिक्षा से दूर भागने वाले तथा किसी की बात न सुनने वाले थे।
   (ग) ऋषि का नाम सिद्धार्थ है।
   (घ) राजकुमारों की सूझबूझ देखकर अंत में ऋषि प्रसन्न हुए।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ शिक्षा से
(ख) ☑ राजकुमारों को कुछ भी सिखाना
(ग) ☑ तीन काम

लिखित Writing

1. अध्यापक विद्यार्थियों को श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) राजा ने ऋषि से राजकुमारों को शिक्षा प्रदान करने की प्रार्थना की।
   (ख) ऋषि ने राजा को उत्तर दिया कि राजकुमारों को शिक्षित करने का कार्य सरल नहीं है परंतु असंभव भी नहीं है।
   (ग) ऋषि ने राजकुमारों को तीन काम दिए– पहला काम, छोटी सुराही में बड़ी सुराही डालना। दूसरा, गीले अनाज को बिना बाहर निकाले सुखाना और तीसरा काम, ऋषि के सिर का सही वज़न बताना।
   (घ) राजकुमारों ने ऋषि द्वारा दिए गए कामों को अपनी सूझबूझ और बुद्धिमानी से पूरा किया।

(ङ) अंत में ऋषि ने राजकुमारों की सूझबूझ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उन दोनों ने अपनी बुद्धि लगाई, उसी प्रकार शिक्षा और राज्य के कामों में बुद्धि लगाएँ तो राज्य और उनके पिता खुश होंगे।

3. (क) राजा ने मंत्रियों से

(ख)	मंत्री ने	राजा से
(ग)	राजा ने	ऋषि से
(घ)	ऋषि ने	राजा से
(ङ)	ऋषि ने	राजकुमारों से
(च)	राजकुमारों ने	ऋषि से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

ऋषि	–	पुल्लिंग	राजकुमार	–	पुल्लिंग	रानी	–	स्त्रीलिंग
शिक्षिका	–	स्त्रीलिंग	मंत्री	–	पुल्लिंग	बेटा	–	पुल्लिंग

2.

(क)	पढ़ाना	पढ़वाना
(ख)	चलाना	चलवाना
(ग)	सुनाना	सुनवाना
(घ)	उठाना	उठवाना
(ङ)	लिखाना	लिखवाना

सोचिए और बताइए Think & Tell
विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs
1. (क) एक ऋषि के पास

(ख) काम के द्वारा

(ग) हवा और धूप दोनों आने लगीं।

2. (क) राजा इस बात से परेशान था कि उसके पुत्र शिक्षा ग्रहण नहीं करते थे।

(ख) राजा ने अपने मंत्रियों को बुलाकर कहा कि मेरे पुत्र कुछ सीखना ही नहीं चाहते हैं। वे न तो चतुर हैं और न ही बुद्धिमान। सारा दिन खाली बैठे रहते हैं। कोई काम भी नहीं करते। आप ही बताइए मैं क्या करूँ?

(ग) जब ऋषि ने कहा कि – "यदि ये काम नहीं करोगे तो तुम्हारी सभी सुख-सुविधाएँ छीन ली जाएँगी। तुम्हें साधारण लोगों की तरह जीवन जीना होगा।" यह सुनकर राजकुमारों के चेहरे का रंग उड़ गया।

(घ) राजकुमारों की सूझ-बूझ देखकर ऋषि मन-ही-मन प्रसन्न हो उठे।

3. (क) पुस्तकों (ख) काम के द्वारा (ग) अनमने ढंग से (घ) छह (ङ) परीक्षा

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. सच्चा X झूठा
   लाभ X हानि
   बुद्धिमान X मूर्ख
   प्रसन्न X उदास

5. यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. (क) तुम्हें ये काम करने ही होंगे।

(ख) छोटी सुराही में बड़ी सुराही डालकर दिखाओ।

(ग) मेरे सिर का सही-सही वज़न बताओ।

(घ) ऋषि उनकी सूझ-बूझ से बहुत प्रसन्न थे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 8 : फ़सलों का त्योहार–पोंगल

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• त्योहार का महत्त्व • मिल-जुलकर रहना • सफ़ाई का महत्त्व • भारतीय विरासत का सम्मान

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	गद्य पाठ
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, वाक्य रचना (क्रिया के काल), शब्दों का वाक्यों में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, कल्पना, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	उत्तर भारत के त्योहारों के बारे में बताना, अपने प्रिय त्योहार के बारे में बताना, होली के गीत सुनाना, स्क्रैप बुक पर विभिन्न त्योहारों के चित्र चिपकाना
जीवन मूल्य Values	अनेकता में एकता का भाव
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ 'पोंगल' त्योहार पर आधारित है। त्योहार हमारे जीवन में हर्ष और उल्लास लाते हैं। पोंगल फसलों का त्योहार है। यह हर साल 14 जनवरी को आता है। यह त्योहार सूर्य,

प्रकृति और विभिन्न पशुओं को धन्यवाद देने का उत्सव है। इस त्योहार के अवसर पर बनाए और खाए जाने वाले एक व्यंजन का नाम भी 'पोंगल' है। तमिलनाडु में यह त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार चार दिनों तक मनाया जाता है। पोंगल के पहले दिन को 'भोगी पोंगल' कहा जाता है। वर्षा और अच्छी फसल के लिए इस दिन इंद्र देवता की पूजा की जाती है। दूसरे दिन को 'सूर्य पोंगल' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान सूर्य की पूजा की जाती है। भगवान सूर्य को पोंगल चढ़ाया जाता है। पोंगल के तीसरे दिन को 'माट्टू पोंगल' कहा जाता है। यह दिन पशुओं के सम्मान और पूजा के लिए समर्पित है। इस दिन सभी अपने पालतू पशुओं की पूजा करके उन्हें भोग लगाते हैं। पोंगल के चौथे दिन को 'काणुम पोंगल' कहा जाता है। इस दिन घरों को फूलों से सजाया जाता है। इस दिन कन्या पूजन भी किया जाता है। इस दिन समुदाय को महत्त्व दिया जाता है और संबंधों को मज़बूत किया जाता है। लोग एक-दूसरे को भेंट देने उनके घर जाते हैं। इस दिन पारंपरिक भारतीय लोक नृत्य 'मायिलाट्टम' और 'कोलाट्टम' किया जाता है। बैलगाड़ियों की रोमांचक दौड़ होती है। यह त्योहार प्रकृति और मानव के परस्पर सहयोग का प्रतीक है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ ऋतुओं एवं फसल संबंधित त्योहार पर आधारित है। अत: विद्यार्थियों से विभिन्न ऋतुओं के विषय में बातें करें। पूछें कि इस समय कौन-सी ऋतु चल रही है? उनकी मनपसंद ऋतु कौन-सी है और क्यों? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर पाठ सुना दें। पूछें, क्या वे पोंगल का त्योहार मनाते हैं? यदि हाँ तो कैसे मनाते हैं? पूछें, क्या फसलों से संबंधित और भी कोई त्योहार है? क्या वे उनके विषय में जानते हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. विद्यार्थियों से अन्य प्रमुख त्योहारों के विषय में भी बातचीत करें। पूछें, कि वे उन त्योहारों को कैसे मनाते हैं?
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।

9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **'माट्टू पोंगल' में किसकी पूजा की जाती है?**
     ☐ पशुओं की ☐ पेड़-पौधों की ☐ सूर्य की
10. **गतिविधि-1** में पहले श्यामपट्ट पर बताएँ कि शब्दों में किस प्रकार परिवर्तन करना है। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का पहले मौखिक रूप से **वाक्यों में प्रयोग** करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि त्योहार हमारे जीवन में किस प्रकार उत्साह और उल्लास लाते हैं।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) पोंगल फ़सलों का त्योहार है।
   (ख) पोंगल तमिलनाडु में मनाया जाता है।
   (ग) पोंगल आमतौर पर 14 जनवरी को मनाया जाता है।
   (घ) पोंगल चार दिनों तक मनाया जाता है।
   (ङ) त्योहार के अतिरिक्त एक व्यंजन को भी 'पोंगल' कहते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ धान की (ख) ☑ सूर्य पोंगल (ग) ☑ तमिलनाडु (घ) ☑ सूर्य पोंगल

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं लिखेंगे।
2. (क) पोंगल, सूर्य, प्रकृति और विभिन्न पशुओं को धन्यवाद देने का उत्सव है।
   (ख) पोंगल तमिल शब्द 'पोंगु' से बना है, जिसका अर्थ है– उबालना।
   (ग) पोंगल नामक व्यंजन उबले हुए मीठे चावल का मिश्रण होता है।
   (घ) घरों की सफ़ाई से जो पुराना सामान निकलता है, उसकी 'भोगी' जलाई जाती है।
   (ङ) 'माट्टू पोंगल' पशुओं के सम्मान में मनाया जाता है।
3. (क) फ़सलों
   (ख) कटने
   (ग) 14 जनवरी
   (घ) पशुओं
   (ङ) त्योहार, प्रतीक

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (ख) इसे खाना खाने के बाद खाते हैं।
   (ग) सुबह उठने के बाद घूमने जाते हैं।
   (घ) पढ़ने के बाद खेलने जाते हैं।
   (ङ) काम करने के बाद आराम करते हैं।
2. (क) त्योहार – **त्योहार** हमारे जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है।
   (ख) धन्यवाद – कोई आपकी मदद करे तो उसको **धन्यवाद** अवश्य कहना चाहिए।
   (ग) परिवार – आपके **परिवार** में कितने सदस्य हैं?
   (घ) व्यंजन – उत्सवों में विभिन्न प्रकार के **व्यंजन** बनते हैं।
   (ङ) धूमधाम – हम दिवाली का त्योहार **धूमधाम** से मनाते हैं।

सोचिए और बताइए Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) तमिल महीने की शुरूआत का
   (ख) सूर्य पोंगल के रूप में
   (ग) बैलगाड़ियों की
2. (क) वर्षा और अच्छी फसल के लिए इंद्र देवता की पूजा की जाती है।
   (ख) शुभ माट्टू पर दूध को नए चावल के साथ एक बरतन में पकाया जाता है। जैसे ही दूध बरतन के अंदर उबलता है, परिवार के सदस्य खुशी से 'पोंगालो-पोंगालो' कहते हैं।
   (ग) 1 पहले दिन इंद्र देवता की पूजा की जाती है। 2 दूसरे दिन शुभ माट्टू पर दूध को नए चावल के साथ एक बरतन में पकाया जाता है। 3 तीसरे दिन सभी अपने पालतू पशुओं की पूजा कर उन्हें भोग लगाते हैं। 4 चौथे दिन समुदाय को महत्त्व दिया जाता है और संबंधों को मज़बूत किया जाता है।
3. यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) पोंगल सूर्य, प्रकृति और विभिन्न पशुओं को धन्यवाद देने का उत्सव है, जो फ़सल की अच्छी पैदावार में सहायता करते हैं।
   (ख) इस त्योहार के अवसर पर बनाए और खाए जाने वाले एक व्यंजन का नाम भी 'पोंगल' है।
   (ग) यह उबले हुए मीठे चावल का मिश्रण होता है। पोंगल तमिल शब्द 'पोंगु' से बना है, जिसका अर्थ है - उबलना।
5. मौसम, शशि, देना, राजन।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 9 : कबीर के दोहे

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes	
• सत्य • सदाचार • शिष्ट व्यवहार • मनोबल ऊँचा रखना	• धैर्य • मीठा बोलना • समय का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पद्य / दोहे
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, आशय, दोहे की अगली पंक्ति लिखना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, परिणाम, आशय, तुलना, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	इंटरनेट की सहायता से रहीम के दोहे पढ़ना, निबंध लेखन, पोस्टर बनाना
जीवन मूल्य Values	जीवन में सदाचार के साथ आगे बढ़ना
डिजिटल Digital	दोहों का ऑडियो, दोहों का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

दोहों का सारांश Summary

इन दोहों में नैतिकता, सत्य, प्रेम, धैर्य, समय का महत्त्व तथा मधुर वचन अथवा मीठी वाणी के महत्त्व को प्रतिपादित किया गया है। ये दोहे कबीरदास जी द्वारा रचित हैं। पहले दोहे में बताया गया है कि हमें सदैव सत्य ही बोलना चाहिए। जो सदैव सत्य बोलते हैं, उनके हृदय में स्वयं ईश्वर निवास करते हैं। दूसरे दोहे में बताया गया है कि यदि कोई हमारा बुरा भी करे, तब भी हमें उसका भला ही करना चाहिए। तुम्हें अच्छे कार्य के लिए अच्छा फल

मिलेगा और बुरा कार्य करने वाले को बुरा फल मिलेगा। तीसरे दोहे में बताया गया है कि हर काम समय आने पर ही होता है। हम कितनी भी कोशिश क्यों न कर लें, वह काम समय आने पर ही होगा। जैसे 100 घड़े पानी देने पर भी पेड़ पर फल नहीं लगेगा वह तो ऋतु आने पर ही लगेगा। चौथे दोहे में बताया गया है कि हमारी हार तब तक नहीं होती है, जब तक कि हम मन में हार न मान लें। अत: हमें हर परिस्थिति में अपने मन को मज़बूत रखना चाहिए। ऐसा करने से हमारी जीत अवश्य होगी। पाँचवें दोहे में बताया गया है कि आज का काम आज ही करना चाहिए, उसे कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो हम अपने कार्यों में पिछड़ते चले जाएँगे। छठे दोहे में बताया गया है कि हमें कोई भी बात अपने हृदय रूपी तराज़ू में तोलकर ही बोलनी चाहिए अर्थात् बहुत सोच-समझकर बोलनी चाहिए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. ये दोहे आचरण से संबंधित हैं। विद्यार्थियों को दोहों में आई बातों का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि जो लोग झूठ बोलते हैं, उन्हें कोई पसंद नहीं करता। पूछें कि जब कोई उनसे झूठ बोलता है तो उन्हें कैसा लगता है? हमें आज का काम आज ही क्यों करना चाहिए? इस संबंध में चर्चा करें। विद्यार्थियों के विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **दोहों को पढ़कर** सुना दें। सभी दोहे आचरण पर आधारित हैं। कोई उदाहरण देकर दोहों की प्रतिपादिता सिद्ध करें।
3. इस बातचीत से विद्यार्थियों में **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **दोहे पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें दोहे कंठस्थ हो जाएंगे।
6. अब फिर से दोहों में आई बातों का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि सबसे मीठे बोलना अच्छी बात होती है। हमें परिवार में या मित्रों से ही नहीं, अपितु अंजान लोगों से भी मीठा बोलना चाहिए।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **जो हमारे साथ बुरा व्यववहार करता है, हमें उसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?**
     ☐ **अच्छा** ☐ **बुरा** ☐ **शत्रुता का**

9. श्यामपट्ट पर तत्सम और तद्भव शब्द लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें।
10. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द भी इसी प्रकार पढ़ाएँ। ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि जीवन में हर रूप में सफल व्यक्ति यदि झूठ बोलता है तो क्या उसे सही अर्थों में सफल माना जाएगा?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) इन दोहों के रचयिता का नाम कबीरदास है।
   (ख) ईश्वर सत्य बोलने वाले के हृदय में है।
   (ग) मनुष्य शरीर की ताकत से ज़्यादा मन की ताकत से कार्य करता है। मन में विश्वास और बल हो तो मनुष्य बड़े से बड़ा काम कर सकता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ सत्य के (ख) ☑ मन के (ग) ☑ मीठी

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।

2. (क) इन दोहों में झूठ की तुलना पाप से की गई है।
   (ख) दोहों के अनुसार जो हमारी राहों में काँटे बिछाए, उसकी राह में हमें फूल बिछाने चाहिए।
   (ग) 'धीरे धीरे से मना, धीरे सब कुछ होय' का अर्थ है कि सभी कार्य अपने सही समय पर ही होते हैं जिस प्रकार एक पेड़ ऋतु के समय पर ही फल देता है, न पहले न बाद में।
   (घ) हमें हर बात सोच-समझकर बोलनी चाहिए क्योंकि वाणी बहुत अनमोल होती है। एक बार मुँह से बाहर निकल जाए तो वापिस नहीं आती, इसलिए हर शब्द को हृदय में जाँचकर ही बोलना चाहिए।
   (ङ) कल का काम हमें आज ही इसलिए करना चाहिए क्योंकि आने वाले समय में कब, क्या परिस्थिति हो, हमें नहीं पता।
3. (क) इस दोहे में कबीरदास कहते हैं कि हम जीवन में शरीर की शक्ति से नहीं, बल्कि मन की ताकत के कारण जीतते या हारते हैं। मन ताकतवर और साहसी हो तो उसके द्वारा ही हम असली प्रसन्नता को प्राप्त करते हैं।
   (ख) इस दोहे में कबीरदास कहते हैं कि हमें हर कार्य समय पर, जल्दी करना चाहिए। आने वाले कल पर कोई काम नहीं छोड़ना चाहिए। कल न जाने क्या परिस्थिति हो, इसलिए सभी काम समय पर करने चाहिए।
4. (क) जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप।।
   (ख) तोकू फूल के फूल है, बाकू है त्रिशूल।।
   (ग) माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

साँच	–	सच	जाके	–	जिसके
हिरदै	–	हृदय	ताकै	–	उसके
तोकू	–	तुझे	बुवै	–	बोना
मना	–	मन	परलै	–	प्रलय
अमोल	–	अनमोल	हिये	–	हृदय

2. (ख) शिक्षक
   (ग) दर्जी
   (घ) कलाकार
   (ङ) सुनार

सोचिए और बताइए Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। उनके विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) पाप के समान
   (ख) ऋतु आने पर
   (ग) आज
2. (क) सच बोलने की तुलना तप से की गई है। मैं इस बात से सहमत हूँ, क्योंकि सत्य की राह पर चलना आसान नहीं है। जैसे सरदी, गरमी, धूप, बरसात और घने जंगल में तप करना सरल नहीं होता, इसी प्रकार जीवन की कठिन परिस्थितियों में सत्य की राह पर चलना आसान नहीं होता।
   (ख) 'हमें हमेशा धैर्य से काम लेना चाहिए।' – इस बात को समझाने के लिए कबीर जी ने – 'ऋतु आने पर ही पेड़ पर फल लगेगा, उससे पहले नहीं' – इस बात का उदाहरण दिया है।
3. विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर स्वयं लिखेंगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. मस्तिष्क, काली, साफ़, मौसमी
5. पाप – आप
   फूल – त्रिशूल
   जानि – आनि
   तोकू – बाकू
   बोली – तौलि
   जाकै – ताकै

रचनात्मक कार्य Creative Work
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 10 : पहली उड़ान

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• सहयोग • सतत प्रयास • मिल-जुलकर काम करने का महत्त्व • वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	गद्य पाठ
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान पूर्ति
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	एकवचन-बहुवचन, क्रिया-विशेषण, वाक्य रचना, क्रिया
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, परिणाम, कारण, अनुमान, कल्पना, कारण, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, अनुभव बताना
जीवन कौशल Life Skills	इंटरनेट पर गुब्बारों से संबंधित कविता पढ़ना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ मनुष्य की आकाश में पहली उड़ान के बारे में है। साथ ही यह घटना आकाश में उड़ने वाले यातायात के अन्य साधनों के क्रमिक विकास में किस प्रकार सहायक और प्रेरणादायक सिद्ध हुई, इस ओर भी संकेत करती है। आज से लगभग दो सौ वर्ष पहले की बात है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में जोसेफ और स्टीफन नाम के दो भाई रहते थे।

एक दिन उनकी माँ रात का भोजन पका रही थी। दोनों भाई वहीं बैठे थे। तभी उनकी माँ ने आग तेज़ करने के लिए फूँक मारी तो धुएँ के साथ कुछ राख भी ऊपर उठी। यह देखकर जोसेफ तुरंत बोल पड़ा, "अरे देखो! धुआँ राख को ऊपर उड़ा सकता है!" स्टीफन ने भी यह देखा। वह भी अचरज से बोल पड़ा, "हाँ, तुम सही कह रहे हो। धुआँ राख को ऊपर उड़ा सकता है!" कई दिनों के प्रयास के बाद दोनों भाइयों ने एक लिफ़ाफ़े में धुआँ भरकर उसे उड़ाया तो वह उड़कर छत से जा टकराया। इस घटना के कई वर्षों के बाद सन 1783 के नवंबर महीने में एक घटना हुई। उस दिन मैदान में बहुत भीड़ थी और एक बहुत बड़े मंच पर एक विशाल गुब्बारा रखा हुआ था, जिसके नीचे आग जल रही थी। जैसे-जैसे गुब्बारे में हवा भर रही थी गुब्बारा फूलता जा रहा था। जब वह फूल गया तो रस्सियाँ काट दी गईं। जोसेफ और स्टीफन तेज़ी से आए और गुब्बारे में बैठ गए। गुब्बारा ऊपर उड़ा। उसमें बैठे हुए दोनों भाई भी ऊपर उड़ने लगे। नीचे खड़े हुए लोग तालियाँ बजाने लगे। इस गुब्बारे ने नौ सौ मीटर ऊँची उड़ान भरी और दो किलोमीटर की यात्रा की। फिर वह नीचे उतर आया। गुब्बारे की यह उड़ान खुले आकाश में मानव की पहली उड़ान थी, जो फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई थी।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ वायुमार्ग के पहले साधन हवा में उड़ने वाले गुब्बारे की खोज के बारे में है। सबसे पहले विद्यार्थियों को वायुयान के क्रमिक विकास के बारे में संक्षेप में बता दें। फिर पूछें, क्या आज-कल भी गुब्बारों में यात्रा की जाती है? वायुमार्ग के अन्य साधनों के बारे में भी बातें करें। यदि कोई विद्यार्थी इस विषय में कुछ कहना चाहता है तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब यातायात के प्राचीन साधनों के विषय में संक्षेप में बता दें और कहें कि मनुष्य सदा से ही आकाश में उड़ना चाहता था। इसके लिए अनेक प्रयास किए गए। प्रस्तुत पाठ में आई घटना इन्हीं प्रयासों की एक कड़ी है, जिसमें मनुष्य को सफलता भी मिल गई थी। अब **पढ़कर पाठ** सुना दें। इस विषय में विद्यार्थियों के विचार भी जानें कि वे इस विषय में क्या जानते हैं। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ क्योंकि वायुमार्ग के यातायात के साधन के विषय में है, अत: विद्यार्थियों से

पूछें कि क्या उन्होंने कभी वायुयान या हेलीकाप्टर से यात्रा की है? यदि हाँ, तो उन्हें अपने अनुभव बताने के लिए कहें। यदि नहीं, तो कल्पना के आधार पर बताने को कहें। ये बातें भी करें कि भविष्य में यातायात के और कौन-कौन-से साधन विकसित हो सकते हैं। उन्हें कल्पना की उड़ान भरने दें।

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **धुआँ राख को ऊपर उड़ा सकता है, यह पता लगाने वाली घटना किस शहर में हुई थी?**
     ☐ **पेरिस में** ☐ **लंदन में** ☐ **मिलान में**
10. **गतिविधि-1** के अंतर्गत श्यामपट्ट पर पहले **'वचन' की परिभाषा** उदाहरण सहित समझाएँ। उसके बाद एकवचन और बहुवचन के विषय में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में पहले क्रिया विशेषण की परिभाषा उदाहरण सहित समझाएँ। अब गतिविधि को मौखिक रूप से करवाएँ। इसके बाद गतिविधि कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि पाठ में आई घटना किस प्रकार वायुमार्ग के अन्य साधनों के आविष्कार करने में प्रेरणा बनी होगी?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) फ्रांस की राजधानी पेरिस है।
   (ख) दोनों भाइयों को यह देखकर अचरज हुआ कि खाना बनाते हुए उनकी माँ ने आग में फूँक मारी तो धुएँ के साथ कुछ राख भी ऊपर उड़ी।
   (ग) गुब्बारे में गरम हवा के भरते ही गुब्बारा फूल गया और हिलने-डुलने लगा।
   (घ) रस्सियों के कटते ही गुब्बारा धीरे से ऊपर उठा और उड़ने लगा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ लगभग दो सौ वर्ष पहले की

(ख) ☑ धुएँ के साथ (ग) ☑ पहली

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) मंच पर रखा हुआ विशाल गुब्बारा रबड़ और कपड़े का बना हुआ था।
   (ख) गुब्बारे को मोटी रस्सियों से इसलिए बाँध रखा था ताकि वह उड़ न सके।
   (ग) गुब्बारा नौ सौ मीटर ऊपर उड़ा तथा उसने दो किलोमीटर तक की यात्रा की।
   (घ) आकाश में गुब्बारा सूरज की रोशनी में चमक रहा था। नीले आकाशा में गुब्बारा बहुत सुंदर दिख रहा था।
   (ङ) पहली उड़ान की घटना सन् 1783 के नवंबर महीने में घटी थी।
3. (क) फूँक (ख) राख (ग) उड़ने (घ) रोशनी (ङ) तालियाँ

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

रस्सी	–	रस्सियाँ	घटना	–	घटनाएँ
राजधानी	–	राजधानियाँ	सफलता	–	सफलताएँ
लट्ठा	–	लट्ठे	गुड़िया	–	गुड़ियाँ
गुब्बारा	–	गुब्बारे	बुढ़िया	–	बुढ़ियाँ

2. (क) कछुआ **तेज़ी से** दौड़ा।
   (ख) भेड़िया **धीरे से** आया।

(ग) हिरण **तेज़ी से** भागा।
(घ) बिल्ली **धीरे से** आई।
(ङ) वर्षा **तेज़ी से** आई।
(च) सिपाही **तेज़ी से** आया।
(छ) चुहिया **तेज़ी से** आई।

3. (क) **पेड़ थे।**
(ख) **घर थे।**
(ग) वायुयान **उड़े थे।**

सोचिए और बताइए Think & Tell
विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) आग
(ख) कपड़े से बने गुब्बारे में
(ग) लोग तालियाँ बजाने लगे।
2. (क) दोनों भाइयों ने सबसे पहले कागज़ के लिफ़ाफ़े में धुआँ भरकर प्रयोग किया।
(ख) गुब्बारे के साथ हवा भरकर उड़ान भरने वाले दोनों भाइयों के नाम जोसेफ और स्टीफन हैं।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
4. चक्कियाँ, रस्सियाँ, मक्खियाँ, बिल्लियाँ।
बग्गियाँ, पत्तियाँ, कश्तियाँ, चिट्ठियाँ।
5. (क) वह रंगीन चित्र था।

(ख) यह रंगीन पुस्तक है।
(ग) यह रंग-बिरंगा कपड़ा है।
(घ) वहाँ बड़े-बड़े मकान हैं।
(ङ) वह ऊँचा पेड़ है।

6. (क) भरी √, (ख) घटी √, (ग) मारी √, (घ) मानी √, (ङ) मिली √

रचनात्मक कार्य Creative Work

7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 11 : मेरी शिमला यात्रा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • समूह भावना • पशु-पक्षी प्रेम • पर्यटन का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	यात्रा वृत्तांत
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, शुद्ध-अशुद्ध शब्द, वाक्य रचना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, वर्णन, अनुमान, कल्पना, परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	शिमला शहर पर अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करके प्रोजेक्ट बनाना, अपने मनपसंद शहर के बारे में पत्र लिखना, डायरी-लेखन

जीवन मूल्य Values	यात्रा के लिए उचित तैयारी, पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

भ्रमण करना या घूमना-फिरना सबको अच्छा लगता है। करण दिल्ली में रहता है और वह पहली बार अपने माता-पिता के बिना अपने साथियों के साथ शिमला घूमने जा रहा है। हिंदी की कक्षा शुरू होते ही अध्यापिका कक्षा में आती हैं और बताती हैं कि इस बार गर्मियों की छुट्टियों में स्कूल की ओर से आप सबको भ्रमण के लिए शिमला ले जाया जाएगा। करण यह बात अपने माता-पिता को बताता है। वे उसे जाने की अनुमति दे देते हैं। 15 मई की शाम को वे सब पिकनिक के लिए निकल जाते हैं। बच्चे बस में अंत्याक्षरी खेलते हैं। कुछ आगे जाने पर उन्हें नाश्ता दिया जाता है। 11 बजे एक ढाबे पर रुककर सब खाना खाते हैं। एक घंटे बाद बस वहाँ से चल देती है। थोड़ी देर बातें करने के बाद बच्चे सो जाते हैं। सुबह छह बजे वे शिमला पहुँच जाते हैं। तैयार होकर, नाश्ता करके वे सब शिमला घूमने निकल जाते हैं। सबसे पहले वे टाउन हॉल आते हैं। यह एक आकर्षक और ऐतिहासिक भवन है। यह सन 1910 में बनाया गया था। वर्तमान में इसमें शिमला नगर निगम का कार्यालय है। 'वाइसरीगल लॉज' सन 1888 में बना था। यह राष्ट्रपति निवास के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद वे मॉल रोड घूमने आए। अध्यापिका ने चार-चार के समूह में विद्यार्थियों को घूमने के लिए भेज दिया। करण, नितिन, परमीत और राधिका एकसाथ घूमने के लिए निकल गए। करण ने अपनी मम्मी के लिए लकड़ी का बना हुआ शो-पीस और पापा के लिए वहाँ की मशहूर टोपी खरीदी। अगले दिन वे प्रसिद्ध 'जाखू मंदिर' देखने आए, जो जाखू पहाड़ी पर स्थित है। यह भगवान हनुमान का मंदिर है। वहाँ बंदर का एक बच्चा तार पर चल रहा था। अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे गिर गया। करण और उसके मित्र तुरंत उसकी मदद करने आगे आए। नितिन अध्यापिका से दवा का डिब्बा ले आया। राधिका ने पानी से उसका घाव साफ़ किया। करण ने घाव पर दवा लगाकर उसे पानी पिलाया। बच्चों का दया भाव देखकर सब उनकी प्रशंसा करने लगे। थोड़ी देर में बंदर को आराम आ गया। इसके बाद उन्होंने मंदिर में दर्शन किए और होटल लौट आए। अगले दिन सुबह वे दिल्ली लौट आए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पत्र भ्रमण के विषय में है। अत: सबसे पहले भूमिका बनाते हुए भ्रमण का

महत्त्व और उसके लाभ समझाएँ। विद्यार्थियों से उनके यात्रा अनुभव पूछें। आप भी अपने यात्रा अनुभव बताएँ। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।

2. अब **पाठ पढ़कर** सुना दें। पाठ में शिमला के कई स्थानों और उनकी विशेषताओं के बारे में बताया गया है। विद्यार्थियों से पूछें कि वे उन स्थानों पर क्या कभी गए है? क्या वे उत्तर भारत के ऐसे ही किसी अन्य स्थान के बारे में बता सकते हैं, जो भ्रमण के लिए प्रसिद्ध है।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पुस्तकालय से प्रसिद्ध लेखकों के यात्रा-वृत्तान्त पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **तार पर चलते हुए संतुलन बिगड़ने के कारण कौन गिर गया?**

     ☐ **भालू का बच्चा** ☐ **लंगूर का बच्चा** ☐ **बंदर का बच्चा**
10. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्दों** की परिभाषा उदाहरण सहित समझा दें। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त और भी उदाहरण दें। इसके बाद प्रश्न गृह कार्य अथवा कक्षा कार्य के लिए दें। अशुद्ध-शुद्ध शब्द संबंधित गतिविधि भी पहले श्यामपट्ट पर ही समझा दें। उसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करवाएँ।
11. **गतिविधि-3** में दिए गए शब्दों का पहले मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि भ्रमण के क्या-क्या लाभ होते हैं?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) इस बार गरमी की छुट्टियों में स्कूल के बच्चे भ्रमण के लिए शिमला जाएँगे।
   (ख) बसें पंद्रह मई को शाम को आठ बजे स्कूल से जाएँगी।
   (ग) मम्मी-पापा के वापिस आते ही करण ने कहा, "मम्मी, हमें स्कूल की ओर से शिमला ले जाया जा रहा है। मैं भी जाना चाहता हूँ।"
   (घ) करण पहली बार अकेले जाने की बात से ही बहुत उत्साहित है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ पच्चीस सौ रुपये (ख) ☑ टाउन हॉल
(ग) ☑ जाखू मंदिर (घ) ☑ एक छोटे बंदर को

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं लिखेंगे।
2. (क) पापा के ऐसा कहने पर करण ने उत्तर दिया, "मैं अब बड़ा हो गया हूँ। सब कुछ अकेले कर लूँगा। फिर मेरे दोस्त और अध्यापक भी तो होंगे वहाँ।"
   (ख) भ्रमण के लिए अनुमति माँगने पर करण के मम्मी-पापा ने कहा, "हमें कोई आपत्ति नहीं है।"
   (ग) बस में बच्चों ने अंत्याक्षरी खेली जिसमें उनकी अध्यापिका ने भी उनका साथ दिया।
   (घ) शिमला में वे सब टाउन हॉल, मॉल रोड, जाखू मंदिर, घूमने गए।
   (ङ) घायल बंदर को देखकर बच्चों ने सहायता की। नितिन दवा का डिब्बा ले आया, राधिका ने उसका घाव साफ़ किया और करण ने दवा लगाकर बंदर को पानी पिलाया।
3. (क) टाऊन हॉल (ख) आकर्षक (ग) नगर निगम
   (घ) वाइसरीगल लॉज (ङ) इमारत

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. अगला x पिछला | प्रशंसा x निंदा
   उत्साह x निरुत्साह | अनुमति x निषेध
   आपत्ति x सहमति | उपस्थिति x अनुपस्थिति
2. ☑ भ्रमण ☑ अनुमति ☑ आपत्ति ☑ उत्साहित
3. (क) शिमला जाने के नाम से बच्चों में **उत्साह** भर गया।
   (ख) जाखू मंदिर देखने के लिए हम सब बहुत **उत्सुक** हैं।
   (ग) करण के पिता को उसके अकेले शिमला जाने में कोई **आपत्ति** नहीं थी।
   (घ) शिमला जाने के लिए हर बच्चे की **उपस्थिति** अनिवार्य है।
   (ङ) बंदर की सहायता करने के लिए लोगों ने बच्चों की खूब **प्रशंसा** की।

सोचिए और बताइए Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) भ्रमण के लिए।
   (ख) शिमला नगर निगम का।
   (ग) हनुमान जी का
2. (क) सभी बच्चे शिमला भ्रमण को लेकर उत्साहित हैं।
   (ख) शिमला पहुँचकर बस से उतरने के बाद सब अपने कमरे में तैयार हुए। इसके बाद उन्होंने दस बजे डायनिंग हॉल में आकर नाश्ता किया। फिर वे मॉल रोड़ घूमने निकल गए।
   (ग) मॉल रोड़ जाने पर अध्यापिका ने बच्चों को निर्देश देते हुए कहा कि – "सब चार-चार के समूह में रहेंगे। कोई भी अकेला कहीं नहीं जाएगा। तीन घंटे बाद सब यहीं पर मिलेंगे।"

(घ) करण ने अपनी मम्मी के लिए लकड़ी का बना हुआ शो-पीस और पापा के लिए वहाँ की मशहूर टोपी खरीदी।

(ङ) बंदर एक ऊँची और मोटी तार पर चल रहा था। अचानक संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह नीचे गिर गया और घायल हो गया।

3. (क) राष्ट्रपति निवास, (ख) बंदर, (ग) दवा का डिब्बा, (घ) दया-भाव, (ङ) शाबाशी

4. (क) अध्यापिका ने, (ख) करण के पापा ने, (ग) अध्यापिका ने

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

5. (क) पर, (ख) के लिए, (ग) से, (घ) ने

6. (क) मैं यहाँ रह लूँगा। (ख) मैं यह पाठ पढ़ लूँगा।
(ग) मैं यह लेख लिख लूँगा। (घ) मैं पैदल चल लूँगा।

7. (क) हम, (ख) तुम सब, अपने-अपने, (ग) आप, (घ) यह, मेरा, यह, मेरा, (ङ) तुम्हारा, क्या, मेरा

रचनात्मक कार्य Creative Work

8. (क) लेखक हैदराबाद घूमने गए।

(ख) चार मीनार, सालारजंग संग्रहालय, गोलकुंडा का किला।

(ग) यहाँ पर सालारजंग संग्रहालय है।

(घ) हैदराबाद से कुछ दूर गोलकुंडा का प्रसिद्ध किला है। इसकी विशेषता यह है कि इसके एक गुंबद के नीचे खड़े होकर ताली बजाओ या कुछ बोलो तो लगभग आधा किलोमीटर दूर खड़ा व्यक्ति भी सुन लेता है।

9. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 12 : बीरबल की खिचड़ी

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes

- बुद्धिमत्ता
- उचित न्याय करना
- सही गलत की पहचान
- दूसरों के गुणों की प्रशंसा करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, संज्ञा की पहचान
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, वर्णन, कार्य-कारण संबंध, अनुमान, परिणाम, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	अकबर-बीरबल की कहानियाँ पढ़ना, बीरबल की कोई कहानी कक्षा में सुनाना
जीवन मूल्य Values	किसी की निंदा-चुगली न करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी न्याय पर आधारित है। बादशाह अकबर के मंत्री बीरबल बहुत बुद्धिमान थे। एक बार सरदी के मौसम में अकबर बीरबल के साथ सैर कर रहे थे। महल के बाहर एक तालाब था। तालाब को देखकर अकबर ने बीरबल से पूछा, "क्या इतनी ठंड में कोई रात के समय इस ठंडे पानी में खड़ा रह सकता है?" बीरबल बोले, "प्रायः हर व्यक्ति में हिम्मत होती है। आप परीक्षा लेकर देख सकते हैं।" अगले दिन बादशाह ने ऐलान करवा दिया कि - जो कोई भी रात भर तालाब के ठंडे पानी में खड़ा रहेगा, उसे पाँच सौ अशर्फियाँ इनाम में दी जाएँगी। कई लोगों ने कोशिश की पर दो-तीन घंटे से अधिक कोई भी खड़ा नहीं हो पाया। परंतु एक निर्धन और दुबला-पतला आदमी किसी तरह रात भर तालाब के ठंडे पानी में खड़ा रहा। जब उसे अकबर के पास लाया गया तो उन्होंने यह कह कर उसे इनाम नहीं दिया कि महल के झरोखे में रखे दीये से उसे गरमी मिलती रही। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत दुखी हुआ। वह बीरबल के पास आया और उन्हें सारी बात बताई। बीरबल बोले, "चिंता मत करो, तुम्हें इनाम अवश्य मिलेगा।" अगले दिन बीरबल दरबार नहीं गए। उन्होंने संदेशा भिजवाया कि वे खिचड़ी पका रहे हैं और खाकर आएँगे। जब बहुत देर तक बीरबल नहीं आए तो अकबर उनके घर पहुँच गए। उन्होंने देखा कि दस-दस फुट लंबे दो बाँस गड़े हुए हैं। उन दोनों बाँसों से बांधी गई रस्सी पर एक छोटी-सी हाँडी लटक रही

है। नीचे ज़मीन पर थोड़ी-सी आग जल रही है। यह देखकर अकबर बोले, "बीरबल, दस फुट की दूरी पर जल रही इस थोड़ी-सी आग से तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है?" यह सुनकर बीरबल ने तुरंत उत्तर दिया, "अगर सौ गज की दूरी पर जलते हुए छोटे-से दीये से एक आदमी को गरमी मिल सकती है तो दस फुट की दूरी पर जलती हुई आग से खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती?" यह सुनकर अकबर एकदम सारी बात समझ गए। उन्होंने तुरंत उस आदमी को बुलवाया और उसका इनाम उसे दे दिया।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी न्याय पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें साहस और सहयोग की भावना भी है। विद्यार्थियों को बताएँ कि हमें किसी के भी साथ अन्याय नहीं करना चाहिए। सदैव सत्य का साथ देना चाहिए। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी सुना दें।** फिर पूछें कि जिस प्रकार बीरबल ने एक अंजान व्यक्ति की सहायता की क्योंकि वे जानते थे कि उसके साथ अन्याय हुआ है। इसी प्रकार क्या आप ऐसी कोई घटना या कहानी जानते हैं? यदि हाँ, तो उसे बताने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि न्याय पर आधारित है, अतः इस विषय से संबंधित कहानी जिसमें किसी के साथ पहले अन्याय हुआ हो और फिर किसी और की सहायता से उसे न्याय मिला हो, सुनाएँ। तेनालीरामा की ऐसी कोई कहानी हो सकती है। इस विषय पर यदि आपको कोई और कहानी याद है तो वह भी सुना सकते हैं और उसपर बातचीत कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **इनाम में कितनी अशर्फियाँ दी जाएँगी?**
     ☐ **तीन सौ** ☐ **चार सौ** ☐ **पाँच सौ**

10. समानार्थी शब्दों से संबंधित **बहुविकल्पी प्रश्न** पहले श्यामपट्ट पर ही पूछ लें, उसके बाद पाठ्यपुस्तक में हल करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में पहले श्यामपट्ट पर **संज्ञा और उसकी परिभाषा** उदाहरण सहित समझा दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में हल करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि अकबर का निर्धन व्यक्ति के साथ किया गया बर्ताव अच्छा था या बुरा?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्‌धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) बीरबल अकबर के दरबार में एक मंत्री थे।
   (ख) अकबर ने बीरबल से पूछा, "क्या रात के समय में कोई आदमी इस ठंडे पानी में खड़ा रह सकता है?"
   (ग) अकबर को इसलिए लगा कि उस आदमी ने धोखा दिया है क्योंकि उसने बताया कि वह पानी में खड़े रहकर रात भर जलते हुए दीये को देख रहा था। अकबर का मानना था कि वह दीये की रोशनी से खुद को गरमी प्रदान कर रहा था।
   (घ) बीरबल बहुत अजीब ढंग से खिचड़ी पका रहे थे। उन्होंने आँगन में दस-दस फुट लंबे दो बाँस गाड़े थे। उनके बीच में एक हाँडी थी और नीचे धरती पर थोड़ी-सी आग जल रही थी। इस प्रकार बीरबल हाँडी में खिचड़ी पका रहे थे।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ ठंडा (ख) ☑ एक दुबला-पतला आदमी

(ग) ☑ वे उस निर्धन आदमी को न्याय दिलवाना चाहते थे।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं लिखेंगे।
2. (क) अकबर उस दुबले-पतले आदमी की परीक्षा लेना चाहते थे।
   (ख) अकबर ने शहर में यह ऐलान करवाया कि जो व्यक्ति रातभर तालाब के ठंडे पानी में खड़ा रहेगा, उसे पाँच सौ अशर्फ़ियाँ इनाम में दी जाएँगी।
   (ग) अकबर के पूछने पर उस आदमी ने बड़ी सरलता से बताया कि वह रातभर तालाब के ठंडे पानी में खड़े रहकर महल में जलते हुए दीये को देखता रहा था। अकबर को लगा कि उस आदमी को दीये की गरमी मिलती रही, इस प्रकार उसने धोखा दिया। इसलिए अकबर ने उस आदमी को इनाम नहीं दिया।
   (घ) एक दिन बीरबल दरबार में नहीं गए। उन्होंने कहलवाया कि वे खिचड़ी पका रहे हैं। अकबर ने बीरबल के घर जाकर देखा कि वे अपने आँगन में दस-दस फुट लंबे दो बाँसों के बीच एक हाँडी लटकाए हुए हैं। नीचे धरती पर थोड़ी-सी आग जल रही थी। अकबर के इसका कारण पूछने पर बीरबल ने उत्तर दिया कि अगर सौ गज़ की दूरी पर जलते हुए दीये से एक आदमी को गरमी मिल सकती है, तो दस फुट दूरी पर जलती हुई आग से खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती। इस प्रकार उन्होंने अकबर को समझाया कि उनका फ़ैसला गलत था।
   (ङ) बीरबल के समझाने का यह फल हुआ कि अकबर को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने उस आदमी को इनाम दिया।
3. (क) ऐलान (ख) दुबला-पतला (ग) दीये (घ) इनाम (ङ) आग

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

राजा	–	बादशाह	निर्धन	–	गरीब
तालाब	–	ताल	सिपाही	–	सैनिक
ऐलान	–	घोषणा	भरोसा	–	विश्वास

2. (क) आदमी, दुखी
   (ख) महल, झरोखे, दीया
   (ग) सरदी, तालाब, पानी, ठंडा
   (घ) अकबर, आदमी, इनाम

सोचिए और बताइए Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) पाँच सौ
   (ख) बीरबल के पास
   (ग) खिचड़ी
2. (क) महल के झरोखे में एक दीया जल रहा था। मन में साहस जगाने के लिए वह आदमी रात भर उस दीये को देखता रहा। उसे देखते हुए उसने पूरी रात बिता दी।
   (ख) उस आदमी के साथ यह अन्याय हुआ कि रात भर ठंडे पानी में खड़े रहने पर भी अकबर ने उसे इनाम नहीं दिया।
   (ग) नहीं, उस आदमी को दीये की गरमाहट नहीं मिल रही थी।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) 'वे' बीरबल थे।
   (ख) महल अकबर का था।
   (ग) एक आदमी ने कहा।
   (घ) 'वह' आदमी था।
4. आसान, बीमार, झरोखा, हैरान।
   अशर्फी, विश्वास, संदेश, तालाब।
5. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 13 : मेरी चाह

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • परोपकार • कर्त्तव्य बोध • दृढ़ संकल्प

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, भाव बताना, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, वाक्य रचना, संज्ञा की पहचान
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, चरित्र-चित्रण, कार्य-कारण संबंध, आशय, कल्पना, अनुमान, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	फूल-पक्षी आदि प्राकृतिक वस्तुओं के बारे में बताना, फल-फूल वाले पौधों के नाम बताना, बगीचे का चित्र बनाना, सूची बनाना, भारतीय ऋतुओं के चित्र चिपकाकर उनके हिंदी नाम लिखना
जीवन कौशल Life Skills	कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में कवि प्रकृति के साथ स्वयं को जोड़ते हुए जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दे रहे हैं। कवि कह रहे हैं कि जिस तरह फूल अपनी सुगंध से उपवन को महकाते हैं, उसी

प्रकार वे भी अपने अच्छे कार्यों की सुगंध से संसार को महकाना चाहते हैं। जिस प्रकार पंछी आकाश में उड़कर सारे संसार को देखते हैं, उसी प्रकार कवि भी संसार में घूमना चाहते हैं। जिस प्रकार सूर्य अपने प्रकाश से संसार को प्रकाशित करता है उसी प्रकार वे भी अपने ज्ञान के प्रकाश से संसार को प्रकाशित करना चाहते हैं। कवि लहरों के समान तेज़ी से आगे बढ़ते हुए सदैव अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहते हैं। कवि कह रहे हैं, कि जिस प्रकार पर्वत सदैव अपने स्थान पर अडिग रहता है, कभी भी विचलित नहीं होता है, उसी प्रकार वे भी अपने लक्ष्य के पथ पर, अपनी कही हुई बात अथवा वचन पर, अडिग रहना चाहते हैं। उपर्युक्त बातें जो उन्होंने कही या सोची हैं, वे उन सब बातों को करके दिखाना चाहते हैं।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को कविता का सार समझाएँ, जो ऊपर दिया गया है। फिर विद्यार्थियों से पूछें कि उनका क्या-क्या करने का मन करता है? क्या वे भी प्रकृति को देख कर प्रेरित होते हैं? वे प्रकृति से क्या प्रेरणा लेते हैं? इस विषय में उनके विचार जानें और चर्चा करें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पूछें, उनके जीवन का लक्ष्य क्या है? उसे पूरा करने के लिए वे क्या-क्या करेंगे और कैसे? लक्ष्य प्राप्त करने में यदि कोई रुकावट या बाधा आएगी तो वे क्या करेंगे, आदि प्रश्न पूछें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएँगी।
6. इन कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **कवि किसके समान अपने पथ पर डट जाना चाहता है?**
     ☐ पर्वत के समान ☐ आकाश के समान ☐ समुद्र के समान

9. श्यामपट्ट पर **समानार्थी शब्द** समझाएँ। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
10. **गतिविधि-2** में पहले मौखिक रूप से बताएँ कि **वाक्य रचना** किस प्रकार करनी है। फिर श्यामपट्ट पर लिख कर समझा दें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें। **गतिविधि-3** में **संज्ञा से संबंधित बहुविकल्पी प्रश्न** करवाने से पहले श्यामपट्ट पर **संज्ञा की परिभाषा** उदाहरण सहित समझा दें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्‌धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) फूल हमें जीवन में रंग और खुशबू देते हैं।
   (ख) पक्षी खुले आसमान जहाँ जी चाहें वहाँ अपनी इच्छा से उड़ते हैं।
   (ग) पर्वत साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है जो अपने पथ पर डटे रहते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ संसार को चमकाता है।
(ख) ☑ संसार में पानी बरसाता है।
(ग) ☑ तेज़ी से।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) कविता में फूलों को रंग-बिरंगा और संसार को महकाने वाला बताया है।
   (ख) एक अकेला सूरज अपनी रोशनी से पूरे संसार को चमकाता है। उसी प्रकार कवि भी अपने अच्छे कार्यों से संसार को आलोकित करना चाहते हैं।
   (ग) 'पथ पर डट जाने को अर्थ है' पर्वत जिस प्रकार सभी कठिनाइयों का सामना करते हुए अपनी जगह पर डटा रहता है, कवि भी उसी प्रकार अपने दृढ़ संकल्प से अपने कर्त्तव्यों का पालन करना चाहते हैं।
3. (क) कवि कहते हैं कि हमें सदा प्रकृति के प्रत्येक तत्त्व से अपने जीवन को जीने की सीख लेनी चाहिए। कवि लहरों का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि जिस प्रकार समुद्र की लहरें अपने पथ पर बिना रुके तेज़ी से बढ़ती जाती हैं उसी तरह मनुष्य को भी हर परिस्थिति में बिना रुके अपने पथ पर आगे बढ़ते जाना चाहिए।
4. (क) उपवन को मैं नहलाऊँ।
   (ख) करके उसे मैं दिखलाऊँ।
   (ग) अपने पथ पर डट जाऊँ।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) नभ – गगन | (घ) पुष्प – फूल
   (ख) सूर्य – सूरज | (ङ) बगीचा – उपवन
   (ग) जल – पानी | (च) संसार – जग
2. **अमन** – मैं चाहता हूँ कि मैं फूलों की तरह जग को महकाऊँ।
   मीना – मैं चाहती हूँ कि मैं सूर्य की तरह चमकूँ।
   मुरली – मैं चाहता हूँ कि मैं पर्वत की तरह सदा अपने पथ पर अडिग रहूँ।
   केतकी – मैं चाहती हूँ कि मैं बादलों की तरह प्रेम की वर्षा करूँ।
3. ☑ कभी ☒ उड़ ☒ जैसे ☒ जाऊँ

सोचिए और बताइए Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक विद्यार्थी से उनके विषय में बातें करें। विचार सुनकर मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाकर।
   (ख) पर्वत के समान।
   (ग) लहरों के समान।
2. (क) यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   (ख) यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   (ग) यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. कविता की पहली चार पंक्तियों में कवि कह रहे हैं कि जिस प्रकार रंग-बिरंगे फूल उपवन को महकाते हैं, उसी प्रकार वे भी अपने अच्छे कार्यों के द्वारा संसार को महकाना चाहते हैं। कवि पक्षी के समान सुदूर आकाश तक अपने अच्छे कार्यों को फैलाना चाहते हैं।
4. कविता का भावार्थ आरंभ में दिया गया है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

5.

गगन	–	आकाश, आसमान	पाठ	–	रास्ता, मार्ग
पंछी	–	पक्षी, खग	उपवन	–	बाग, बगीचा
जग	–	संसार, दुनिया	बादल	–	मेघ, जलद

6. (क) आऊँ – खाऊँ, बनाऊँ, जाऊँ
   (ख) डरूँ – करूँ
   (ग) महकाऊँ – चमकाऊँ, बरसाऊँ
   (घ) जैसा – वैसा, कैसा
   (ङ) करना – डरना, पढ़ना
   (च) बोते – होते, ढोते
7. (क) मेरी चाह है कि मैं आकाश में पक्षी बनकर उड़ूँ।
   (ख) मेरी चाह है कि मैं पानी में मछली बनकर तैरूँ।
   (ग) मेरी चाह है कि मैं जंगल में शेर बनकर घूमूँ।
   (घ) मेरी चाह है कि मैं मैदान में सचिन बनकर खेलूँ।
   (घ) मेरी चाह है कि मैं गायक बनकर गाऊँ।

रचनात्मक कार्य Creative Work

8. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।